तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 35 अंक 250 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 10 जून 2024 डाक 11 जून 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

देश-विदेश

जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकी हमला शाह और राजनाथ सहित इन नेताओं ने जताई संवेदनाएं

फीचर पेज

इंटरनेट पर छाया काजल अग्रवाल का बॉसी लुक, किलर फोटोज देख हैरत में पड़े फैंस

पीएम मोदी ने संभाला कार्यभार

साइन की पहली फाइल, किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

नई कैबिनेट की पहली बैठक आज शाम को होगी। यह बैठक लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री के आवास पर होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक शाम पांच बजे हो सकती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी सरकार की नई कैबिनेट में शामिल लोगों के लिए रात्रिभोज का भी आयोजन किया है।

शपथ ग्रहण के अगले दिन सियासी हलचल तेज है। पीएम मोदी सुबह पीएमओ पहुंचे। यहां आला अधिकारियों से मिलें और तीसरी बार पदभार ग्रहण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभालने के बाद पहली फाइल किसान सम्मान निधि की साइन की। पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। इससे 9.3 करोड़ किसानों को फायदा होगा और करीब 20,000 करोड़ रुपये बांटे जाएंगे।

वहीं, लखनऊ रवाना होने से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी से मुलाकात की।

मोदी शपथ ले रहे थे और आतंकी जम्मू में..., संजय राउत ने रियासी हमले पर पीएम पर साधा निशाना

मुंबई, 10 जून [एजेंसी]।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में हुए आतंकी हमले पर पीएम मोदी पर हमला बोला है। राउत ने कहा कि जब मोदी शपथ ले रहे थे तब जम्मू में आतंकवादी खुनी खेल खेल रहे थे। इस हमले के चलते 10 लोगों की जान भी गई। राउत ने तंज सकते हुए कहा कि पहले आतंकी घटनायें कश्मीर की घाटी में होती थी, लेकिन मोदी सरकार इतनी मजबूत साबित हुई कि 370 हटने के बाद आतंकी हमले जम्मू संभाग में होने लगे जो पहले कभी नहीं होते थे। आज भी जम्मू संभाग में ही हमला हुआ है जिसमें दस लोगों की मौत हो गयी। संजय राउत ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि कश्मिरी पंडित आज भी अपनी घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। राउत ने पूछा, मोदी जी पंडितों की घर वापसी कब होगी। पहले आतंकी घटनायें कश्मीर की घाटी में होती थी। मोदी सरकार इतनी मज़बूत साबित हुई कि 370 हटने के बाद आतंकी हमले जम्मू संभाग में होने लगे जो पहले कभी नहीं होते थे ।

बीते दिन जम्मू कश्मीर के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने बस पर कई गोलियां बरसाईं, जिसके बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में 10 लोगों की जान चली गई। हमले के बाद आतंकी जंगलों में भाग गए, जिसकी तलाश में सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को सील कर दिया है। हमले में 3 आतंकियों के शामिल होने की सूचना है। श्रद्धालु वैष्णो देवी और शिवखोड़ी धाम के दर्शन करने गए थे।

दिल्ली के हक का पानी भी रोक रही हरियाणा सरकार

जल संकट को लेकर आप ने फिर साधा बीजेपी पर निशाना

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

जल संकट के लिए आप ने एक बार फिर से भाजपा पर निशाना साधा है। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने थोड़ी ही देर पहले पत्रकार वार्ता कर कहा कि भाजपा की हरियाणा सरकार न खुद दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी दे रही है और न अन्य राज्य को देने दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश से दिल्ली को मिलने वाला 137 क्यूसेक पानी भी हरियाणा ने रोक लिया है। यही नहीं, मुनक कैनाल के जरिये दिल्ली के हिस्से के 1050 क्यूसेक पानी में भी 200 क्यूसेक की कटौती की जा रही है। कक्कड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं हो रहा, दिल्ली के एलजी जनता का नहीं बल्कि भाजपा के हितों का ध्यान रखते हैं।

दिल्ली में छत्तीसगढ़ जूनियर पावर लिफ्टर्स से सीएम साय की मुलाकात

दिल्ली/रायपुर। नई दिल्ली के छत्तीसगढ़ सदन में आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नेशनल जूनियर और सब जूनियर प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के 32 पावर लिफ्टर खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

धमतरी में नगर निगम स्कूल में लगी आग, अंदर रखे सामान जलकर खाक

धमतरी। धमतरी शहर के पुराने स्कूलों में से एक नत्थूजी जगताप नगर निगम स्कूल के एक भवन में 10 जून की सुबह आग लग गई। इस आगजनी की घटना से भवन में रखे पुराने फर्नीचर जलकर राख हो गए। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। नत्थूजी जगताप नगर निगम स्कूल के एक भवन में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया, घटना के चलते कमरे में रखे पुराने फर्नीचर जलकर खाक हो गए। इधर आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और स्कूल परिसर के अन्य बिल्डिंग में फैलने से पहले आग को नियंत्रण में किया।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

खड़े ट्रक में घुसी श्रद्धालुओं से भरी बस, चार की मौत, कई लोग घायल

गाजीपुर 10 जून। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को भीषण हादसा हुआ। एक्सप्रेस-वे पर बरेसर थाना क्षेत्र के मुस्सेपुर गांव के पास खड़े हाइवा (ट्रक) में अयोध्या से आ रही बस घुस गई। हादसे में बस में सवार 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें अब तक चार के मरने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। घायलों को मऊ और गाजीपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच पुलिस टीम की मदद से वाहनों को हाईवे से हटाया गया। साथ ही सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बस में अलग-अलग इलाके के 25 लोग सवार थे, जो अयोध्या से दर्शन कर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि बस बिहार के विक्रमगंज जा रही थी। सुबह पांच बजे बरेसर थाना क्षेत्र के मुस्सेपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर खड़े हाइवा (ट्रक) में पीछे से घुस गई। माना जा रहा है कि बस चालक को झपकी आ गई, जिससे यह हादसा हुआ है। फिलहाल, पुलिस कारण की जांच कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि घायलों को मऊ और गाजीपुर जिला अस्पताल भेजा गया है। अब तक चार लोगों के मौत होने की खबर है। मृतकों की पहचान की जा रही है।

घाघरा नदी में डूबने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, सुबह-सुबह नहाने गए थे सभी

लखीमपुर। खीरी उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में सोमवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। पढ़ुआ थाना क्षेत्र के तेलियार में एक ही परिवार के पांच सदस्य घाघरा नदी में डूब गए। इनमें 12 साल के बालक समेत चार की मौत हो गई। जबकि 12 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक गांव बोकरिहा निवासी पच्चो देवी (50 वर्ष), टिया (17 वर्ष) पुत्री सुबोध, कान्हा (12 वर्ष) पुत्र निर्मल, नैनी पुत्री निर्मल, सत्यम (26 वर्ष) पुत्र मित्तल अपनी रिश्तेदारी में तेलियार आए थे। यहां ये सभी सोमवार सुबह घाघरा नदी में नहाने गए थे। बताते हैं कि नदी में नहाते समय मोबाइल से रील भी बनाई। इसी दौरान गहरे पानी में कान्हा डूबने लगा तो उसे बचाने के चक्कर में सभी डूब गए। चीख-पुकार मचने पर आसपास के लोग जुटे। उन्होंने कड़ी मशक्कत कर सभी को बाहर निकाला। आनन-फानन सभी को रमियाबेहढ सीएचसी लाया गया, जहां पच्चो देवी, टिया, कान्हा और सत्यम को मृत घोषित कर दिया गया। नैनी को जिला अस्पताल भेजा गया है। उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। उधर, रमियाबेहढ सीएचसी में मृतकों के परिजन व रिश्तेदार भी पहुंच गए। शवों को देखकर चीख-पुकार मच गई। चीत्कार से सीएचसी की दीवारें थर्रा उठीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजने की कार्रवाई शुरू की।

उज्जैन में शिप्रा के घाटों पर काई, फिसलने से एक ही दिन में 10 श्रद्धालु हुए घायल

उज्जैन, 10 जून [एजेंसी]।

शिप्रा नदी का जलस्तर कम होने से घाट से पानी उतर गया है। इस कारण रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट, राणोजी की छत्री के सामने घाट सहित अन्य घाटों पर जमी काई के कारण श्रद्धालु गिरकर घायल हो रहे हैं। रविवार सुबह दस से अधिक लोग घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल तीन महिला व पुरुष को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। शनिवार को ही कलेक्टर नीरज सिंह व अन्य अधिकारियों ने रामघाट पर सफाई अभियान चलाया था। रामघाट पर रविवार सुबह रणजीत कुमार निवासी भोपाल अपने परिवार के साथ शिप्रा नदी में स्नान करने के लिए पहुंचे थे।

दारुल उलूम का बड़ा ऐलान, बिना आईडी तीन तलाक पर फतवा जारी नहीं किया जाएगा, लगाई पाबंदी

मेरठ, 10 जून [एजेंसी]।

उत्तर प्रदेश के देवबंद स्थित दारुल उलूम ने तीन तलाक पर बिना आईडी के किसी भी सवाल पर फतवा देने पर पाबंदी लगा दी है। तीन तलाक को 30 जुलाई 2019 को अवैध और असांविधानिक घोषित कर इसे दंडनीय अधिनियम बना दिया गया था। इसके बाद इस्लामी तालीम के प्रमुख केंद्र दारुल उलूम में तीन तलाक पर हालांकि फतवों की संख्या न के बराबर हो गई। इसके बावजूद ऑनलाइन फतवा विभाग से तीन तलाक से संबंधित सवाल पूछे जाते रहे हैं। मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी का कहना है कि बिना आईडी के तीन तलाक पर सवाल पूछने वाले को कोई जवाब नहीं दिया जाता अब वास्तविक आईडी वाले व्यक्ति के सवाल पर ही वाजिब जवाब दिया जाता है। दारुल उलूम में वर्ष 2005 में ऑनलाइन फतवा विभाग शुरू किया गया। जिससे देश-विदेश से बड़ी संख्या में मुफ्तियों से सवाल पूछे जाने लगे। मुस्लिम महिलाओं को नेल पॉलिश नहीं लगाना चाहिए। महिलाओं को नाखून पर नेल पॉलिश की बजाय मेहंदी का इस्तेमाल करना चाहिए। नेल पॉलिश गैर इस्लामिक है। एक अन्य फतवे में कहा गया कि मुस्लिम महिलाओं को आईब्रो नहीं बनवाना चाहिए। आईब्रो बनवाना, वैक्सिंग करवाना या फिर बाल कटवाना गैर इस्लामिक है।

इसके अलावा चुस्त व तंग बुर्का और लिबास पहननो भी जायज नहीं। एक अन्य फतवे में कहा गया था कि गैर मर्द का अजनबी औरतों को चूड़ी पहनाना नाजायज और गुनाह है। सोशल मीडिया पर महिलाओं की फोटो डाले जाने को भी दारुल उलूम के एक फतवे में नाजायज बताया गया था। इनके अलावा कई ऐसे फतवे हैं। जो काफी चर्चाओं में रहे।

मुंबई में बड़ा हादसा, निर्माणाधीन इमारत का हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत

मुंबई 10 जून। मुंबई में निर्माणाधीन पांच मंजिला इमारत के स्लैब और पैरापेट का एक हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति और 10 साल के लड़के की मौत हो गई। नगर निगम के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार रात 11.10 बजे विक्रोली इलाके के कैलास बिजनेस पार्क में हुई। कल रात मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। एक अधिकारी ने बताया कि जब दमकलकर्मी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पैरापेट और स्लैब का कुछ हिस्सा गिर गया था। यह भी देखा गया कि निर्माणाधीन इमारत के कुछ हिस्से खतरनाक तरीके से लटके हुए हैं। दमकलकर्मियों ने तत्काल उन्हें हटाया। अधिकारी ने बताया कि दमकल के पहुंचने से पहले कुछ स्थानीय लोगों ने 38 वर्षीय व्यक्ति और लड़के को राजावाड़ी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, पूर्वोत्तर में भी होगी झमाझम

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

मानसून मुंबई में प्रवेश कर गया है और अब यह तेजी से उत्तर भारत की ओर बढ़ रहा है। मुंबई में कई हिस्सों में भारी बारिश देखने को मिल रही है। साथ ही महाराष्ट्र के कई जिलों में भी भारी से अति भारी बारिश जारी है। आगामी दिनों में मानसून उत्तरी राज्यों में भी प्रवेश कर जाएगा। हालांकि मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में लू का अलर्ट जारी किया है। साथ ही गोवा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक पर अगले दो दिन तक अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी कोंकण और उत्तरी मध्य महाराष्ट्र में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। वहीं कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के साथ केरल में तीन से चार दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा पूर्वोत्तर भारत में कुछ स्थानों पर बारिश हो रही है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 12 और 13 जून को भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। साथ ही त्रिपुरा और मिजोरम में भारी बारिश होगी। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का भी अनुमान है। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, दक्षिण बिहार, उत्तरी झारखंड में अगले पांच दिनों तक लू चलने की संभावना जताई है। वहीं यह हीट वेव कंडीशन 11 जून से पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में सीवियर हीट वेव कंडीशन में बदल सकती हैं। मौसम विभाग ने इन स्थानों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बिहार, उत्तरी झारखंड में सहित मध्यप्रदेश के बालाघाट, छिंदवाड़ा में भी लू चलने की संभावना जताई है।

पर्यावरण सबके लिए जरूरी इसके संरक्षण पर दें ध्यान

कोरबा। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आह्वान पर केन्द्रीय विद्यालयों में पर्यावरण जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी के तहत केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक चार कोरबा में विविध कार्यक्रम किए जा रहे हैं। पर्यावरण दिवस पर स्कूल प्रबंधन ने छात्रों के सहयोग से परिसर में पौधरोपण किया। इसके बाद पौधों के पेड़ बनने तक उचित देखभाल करने की दिशा में स्कूल परिवार काम कर रहा है। छात्रों के साथ स्टाफ को अपशिष्ट कम करने और कंपोस्ट पीट बनाने के विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

इसमें बताया कि अपशिष्ट कम करने से अनावश्यक खपत कम होती है। इससे नवीकरणीय और गैर नवीकरणीय संसाधनों का संरक्षण होता है। अपशिष्ट कम करने से ऊर्जा की बचत होती है और हवा मिट्?टी, पानी का प्रदूषण कम होता है। जो अक्सर उन सामग्रियों और आपूर्तियों के निर्माण के कारण होता है।

कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन से इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने की भेंट

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन दो दिवसीय नई दिल्ली के प्रवास पर हैं। इस दौरान इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने उनसे एक भेंट-मुलाकात की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने छत्तीसगढ़ राज्य में अधिक से अधिक निवेश करने बनाई जा रही नई उद्योग नीति के संबंध में भी उन्हें बताया। उन्होंने कहा की प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के सुशासन मे प्रमुख लक्ष्य बेहतर उद्योग नीति तैयार करना हैं। ताकि देश और विदेशों के अलग-अलग सेक्टर के छोटे, बड़े उद्योग प्रदेश में लग सके। जितने नए उद्योग प्रदेश में स्थापित होंगे, उतने ही रोज़गार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। इसके लिए आप सभी उद्योगपतियों के सुझाव बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने इस अवसर पर आगे कहा की छत्तीसगढ़ वन संपदा, कृषि संपदा और खनिज संपदा से भरपूर है, उस पर आधारित उद्योग और उसका व्यापार प्रदेश को विकास गति पर बड़ी तेजी से पंख प्रदान करेगी। विशेष कर ऐसे उत्पाद जिनकी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मांग है, उन सेक्टर में नए उद्योग लगाने होंगे। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा की सभी सेक्टर में नए उद्योगों के लिए पूरी मदद सरकार द्वारा की जाएगी।इस अवसर पर आईसीसी के जनरल सेक्रेटरी नितिन पंगोत्रा, कोऑर्डिनेटर अतुल आर. दयाल, ऑटो पार्ट्स इंडस्ट्री के अमित गर्ग, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के इंटरप्रयूनर राजेश धर शर्मा, भाजपा के कोरबा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, नरेन्द्र पाटनवार, विशेष सहायक भागवत जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

5 मंडल में की गई ठोस कोशिश से मिले अच्छे परिणाम, भ्रम भी टूटा

कोरबा। 4 के लोकसभा चुनाव मे कोरबा विधानसभा के परिणाम को लेकर भारतीय जनता पार्टी के कोरबा मंडल ,कोसाबाडी मंडल, दर्री मंडल, बाकी मोगरा मंडल के कार्यकर्ताओं ने कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन के निवास पर जाकर उनसे चर्चा की व उनके कुशल मार्गदर्शन में विधानसभा में अच्छे परिणाम आने पर उन्हें शुभकामना भी प्रेषित की ।

जिस तरह कोरबा विधायक लखन लाल देवांगन ने लोकसभा चुनाव में अपने विधानसभा क्षेत्र में जवाबदारी को समझते हुए पूरी निष्ठा के साथ अपने विधानसभा के प्रत्येक वार्ड में जाकर जनसभा लेकर भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा के साथ उसकी योजनाओं को , प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों को और लोकसभा प्रत्याशी सुश्री सरोज पांडे के महापौर व विधायक व सांसद रहते किये कार्यों को जनता के बीच रखा , निश्चित रूप से जनता ने उन तमाम बातों पर अपनी सहमति जताई और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपना मतदान किया इसके साथ ही कोरबा विधायक देवांगन के द्वारा कांग्रेस के द्वारा फैलाया जाए जा रहे भ्रम को भी तोड़ा, जनता को कांग्रेस के झूठे वादे करने की आदत का कटाक्ष किया और आम जनता को कांग्रेस के झूठे वादे व प्रलोभन में ना आने के बातों को अपने को समझाया , कहीं ना कहीं उसका परिणाम है कि कोरबा विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनाव से ज्यादा 50000 मतों की लीड मिली .इस अवसर पर कोसाबाडी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, कोरबा मंडल अध्यक्ष परविंदर सिंह ,दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू ,बाकी मोगरा महामंत्री मनीष मिश्रा कोसाबाडी मंडल महामंत्री सुमन सोनी मंत्री रमा मिरी,कोषाध्यक्ष चंदन सिंह, संजीव शर्मा ,हरे राम साहू, रितेश कुमार साहू ,संजय सिंह अंकित सिंह,संजय कुर्मवंशी, अयोध्या प्रसाद सोनी के साथ अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर में अकेली महिला ने फांसी लगाकर दी जान

कोतबा। कोतबा चौकी क्षेत्र की ग्राम पंचायत खमगड़ा में महिला ने घर के मियार में फांसी लगाकर जान दे दी। कोतबा चौकी प्रभारी समरेन्द्र सिंह ने बताया कि दुर्जोवती माझी पति स्व. रामेश्वर माझी(45) ग्राम पंचायत खमगड़ा की रहने वाली थी। उनके घर में उनकी बेटी व दामाद भी रहते थे। शनिवार को दोनों काम पर गए थे। महिला अकेली थी। महिला ने कमरे के मियार में रस्सी की मदद से फांसी लगाकर जान दे दी। शाम को तेज आंधी तूफान व बारिश के चलते उनकी बेटी व दामाद अपने परिचित के यहां रुक गए। सोमवार को सुबह जब घर पहुंचे तो महिला की लाश फंदे पर लटकी हुई मिली। कोतबा चौकी मामले की जांच कर रही है। पूछताछ में पता चला है कि महिला शराब पीने की आदी थी।

डॉ मुखर्जी बस स्टैंड में यात्रियों को पानी की किल्लत पर पेड़ों का सहारा

कोरबा। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बस स्टैंड से प्रतिदिन विभिन्न वर्गों के लिए हजारों यात्रियों का आना-जाना हो रहा है। गर्मी के मौसम में यात्रियों के लिए बस स्टैंड में पानी की समस्या बनी हुई है। यहां का भारी भरकम प्रतीक्षालाय सुविधा से विहीन है। नगर निगम के द्वारा जरूरी व्यवस्था नहीं किए जाने से बस ऑपरेटर नाराज है।

औद्योगिक नगर कोरबा में विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के समय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था। प्रदेश के बड़े बस स्टैंड में इसकी गिनती शुरू से होती रही है। नगर निगम का गठन होने के बाद से बस स्टैंड और यहां पर यात्रियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी नगर निगम के कंधे पर है। काफी समय से इस बात की शिकायत मिलती रहि है कि बस स्टैंड परिसर में सुविधाओं का टोटा बना हुआ है। छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों के लिए भी बसों का संचालन यहां से होता है और वहां तक जाने के लिए लोगों को बस स्टैंड तक पहुंच कर प्रतिष्ठा भी करनी पड़ती है। गर्मी के मौसम में यहां ठंडे पानी की कमी तो है ही, हवा के लिए पंख तक नहीं है। ऐसे में जनता परेशान है। यातायात महासंघ के पदाधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि पानी को लेकर काफी मुश्किल है। यह तो अच्छा हुआ की बहुत साल पहले इस इलाके में लगाए गए पेड़ अब वृक्ष बन चुके हैं और वह अपनी हवा से काफी राहत देने का काम कर रहे हैं। बस स्टैंड से जुड़ी हुई अव्यवस्था को लेकर त्रिपाठी ने बताया कि नागरिक सुविधाओं से जुड़े हुए इस स्थान पर क्या कुछ होना चाहिए और क्या है शायद इस तरफ जिम्मेदा 'जनप्रतिनिधि गंभीर नहीं है। शायद इसलिए लंबे समय से समस्याओं का बोलबाला बस स्टैंड क्षेत्र में बना हुआ है। ड्ढ4ह्ल

कोरबा के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बस स्टैंड में काफी समय से कायम समस्याएं कुल मिलाकर बस ऑपरेटर और यात्रियों के लिए परेशानी का कारण साबित हो रही है। गर्मी के मौसम में तापमान का स्टार 43 डिग्री को पार कर चुका है ऐसे में यहां पर पानी की कमी से लोग किस कदर परेशान होते होंगे इसे आसानी से समझा जा सकता है। प्रशासन के साथ-साथ नगर पालिका निगम को इस विषय पर संज्ञान लेने के साथ अभिलंब आवश्यक कदम उठाने के बारे में सोचना चाहिए।

नवनिर्मित बाल संप्रेषण गृह तक सड़क निर्माण हेतु की जा चुकी है निविदा

कोरबा । कोरबा अंचल में कोहड़िया वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के समीप निर्मित बाल संप्रेषण गृह तक सड़क निर्माण हेतु नगर निगम कोरबा द्वारा लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पूर्व ही निविदा की जा चुकी है, अब इसी सप्ताह निविदा खोली जाएगी तथा निविदा की अन्य प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र ही सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

दर्री-कोरबा मुख्य मार्ग पर स्थित नगर पालिक निगम कोरबा के कोहड़िया स्थित जल उपचार संयंत्र के समीप बाल संप्रेषण गृह व अन्य भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है, उक्त भवन तक पहुंचने हेतु सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग व्यवस्था व इनसे जुड़े अन्य कार्यों हेतु नगर निगम द्वारा पूर्व में ही टेंडर जारी कर दिया गया था, अब लोकसभा चुनाव की आदर्श आचरण संहिता समाप्त होने के बाद इसी सप्ताह उक्त कार्य का टेंडर खोला जाएगा एवं निविदा की अन्य प्रक्रियाएं पूर्ण कर व कार्यादेश जारी कर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा तथा निर्माण कार्य पूर्ण कर उक्त भवनों को संचालन हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग को हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

मोबाइल का उपयोग न करें रेल क्रांसिग पार करने के दौरान

कोरबा। रेलवे के संरक्षा विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय समपार (फाटक) जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य पर अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान सड़क उपयोगकर्ताओं में सुरक्षित समपार फाटक पार करने के दौरान ली जाने वाली सावधानियों और नियमों के प्रति जागरूकता लाने मंडल संरक्षा संगठन, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल द्वारा 4 से 10 जून तक अंतरराष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत रविवार को कोरबा के साथ ब्रजराजनगर, शहडोल, अंबिकापुर क्षेत्र के विभिन्न फाटकों पर संरक्षा सलाहकारों और नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों व विभिन्न विभागों के पर्यवेक्षकों द्वारा पाम्पलेट बांटकर व माइक के माध्यम से राहगीरों को संरक्षा नियमों का पालन करते हुए फाटक पार करने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही समपार फाटक पार करते समय गाड़ी को धीमा चलाने, सिग्नल हरा होने पर ही आगे बढ़ने, फाटक बंद हो तो खुलने का इंतजार करने और फाटक पार करते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने का परामर्श दिया। इसके साथ ही कोरबा स्टेशन, सिटी फाटक, सोनालिया फाटक, ट्रांसपोर्ट नगर फाटक पर स्काउट-गाइड की टीमों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समपार फाटकों में होने वाली घटनाओं की जीवंत प्रस्तुति देकर यात्रियों को संरक्षा नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित समपार फाटक पार करने के प्रति जागरूक किया गया।

कोयला कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं पर अब तक नही हो सका विशेष काम

कोरबा। कोल पेंशनरों के हित का सुझाव अमल में नहीं लाया है। साथ ही पेंशन वृद्धि के तरीके खोजने कार्यशाला भी अधर में अटकी है। ऑल इंडिया एसेसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव ने कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव को पत्र लिखा है। इसमें रिटायर्ड कोयला कर्मियों के कल्याण को प्राथमिकता देने और पेंशन में बढ़ोतरी की जरूरत बताई है। कोल पेंशनरों के हित में निर्णय लेने ऑल इंडिया एसेसिएशन ऑफ कोल एग्जीक्यूटिव (एआईएसीई) ने सुझाव दिए हैं, जिसे अमल में लाने का इंतजार है। पत्र में बताया है कि एक नियमित अंतराल में पेंशन की समीक्षा व संशोधन करना था, लेकिन 1998 के बाद से अब तक इसकी समीक्षा नहीं की गई है और जब एआईएसीई के नेतृत्व में बीते फरवरी में धरना-प्रदर्शन का निर्णय लिया तो सीएमपीएफओ ने सकारात्मक निर्णय लेने आश्वस्त करने पर आंदोलन स्थगित कर दिया था, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया है और न ही सुझाव को अमल में लाया है। संगठन के प्रतिनिधि मंडल के साथ सीएमपीएफओ के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इस ओर भी ध्यान आकृष्ठ कराया है।

उक्त बैठक में कोल पेंशनरों के पेंशन में वृद्धि को लेकर निर्णय लेने कार्यशाला आयोजित करना था, लेकिन यह कार्यशाला चुनाव आचार संहिता के कारण स्थगित कर दी गई। इस पर भी उचित निर्णय लेने की मांग की है।

पेंशन फंड में ज्यादा खर्च पर बोर्ड ऑफ ट्रस्टी जता चुका चिंता पेंशन फंड में ज्यादा खर्च पर बोर्ड ऑफ ट्रस्टी चिंता जता चुकी है। इससे यह साफ है कि कम राशि पेंशन फंड को मिलते हैं। कोल इंडिया के सहयोगी कंपनियों से रिटायर होने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। एक रिपोर्ट के अनुसार कोल इंडिया में स्थायी कर्मियों की संख्या अक्टूबर 2023 को 2 लाख 33 हजार 48 है।

पानी न आने पर हलाकान हो रहे बस्तीवासी

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत दर्री क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 44 स्थित प्रेम नगर में पिछले 15 दिनों से नगर निगम के पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों को इस भीषण गर्मी में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वे बस्ती में स्थित एक हैंड पंप के पानी से अपनी रोजमर्रा की जरूरत को पूरा कर रहे हैं।

बस्ती वासियों ने बताया कि 15 दिन पूर्व कोहाडिया के पास मुख्य पाइप लाइन में समस्या आ गई थी इसके बाद से बस्ती में पानी की सप्लाई लगभग बंद हो गई है। लोगों ने बताया कि कई बार मौखिक शिकायत करने के बाद भी पानी की समस्या का समाधान संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा है।इस मामले में नगर निगम के अधिकारी का कहना हैं की इस मामले की उन्हें जानकारी नहीं हैं, लेकिन अगर कुछ समस्या है तो कल सुबह ही इसे दुरुस्त कर कर पानी की सप्लाई निर्बाध रूप से बस्ती में चालू की जाएगी।

एनसीसी कैडेट्स ने नदी तट पर श्रमदान कर सफाई की

कोरबा।केएन कॉलेज की एनसीसी इकाई ने शनिवार को विश्व महासागर दिवस मनाया। एनसीसी कैडेट्स ने इस दिवस स्वच्छता अभियान चलाया। हसदेव नदी तट की साफ- सफाई के लिए श्रमदान कर आसपास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। एनसीसी कैडेट्स की टीम में जूनियर अंडर ऑफिसर रेखा प्रधान, सार्जेंट अंजली मिश्रा ने सहभागिता निभाई। यह कार्यक्रम केएन कॉलेज की एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट अनिता यादव की अगुवाई में चलाया गया। इसके लिए प्रभारी प्राचार्य अजय मिश्रा का मार्गदर्शन रहा।

एनजीओ में अच्छी कमाई का झांसा, 12 लाख ठगे

कोरबा । शहर के ठेकेदार को रायपुर में एनजीओ में रकम लगाने पर अच्छी आय होने का झांसा देकर 12 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी की गई। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सीएसईबी चौकी अंतर्गत बुधवारी बाजार निवासी ओमप्रकाश चौहान (41) ठेकेदार है। वह अपने काम से अगस्त 2023 में रायपुर गया था। यहां उसके दोस्त ने एनजीओर का काम करने वाले दिपेश कुमार चंद्राकर से मिलवाया। उसने एनजीओ का काम मिलने और उसमें अच्छी खासी आय होने का झांसा दिया। ओमप्रकाश ने उसकी बातों पर भरोसा कर लिया और 6 लाख भुगतान कर दिया। बाकी रकम मांगने पर ओमप्रकाश ने अलग-अलग तिथि में आरोपी को रकम दिया। कुछ माह के भीतर ही आरोपी ने झांसे में लेकर 12 लाख से ज्यादा की ठगी कर ली।

चार माह के लिए रेत के खनन पर लगी रोक

कोरबा। पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए एनजीटी के गाइडलाइन के आधार पर वर्षा ऋतु की अवधि के दौरान 10 जून से 15 अक्टूबर तक स्वीकृत रेत खदानों से खनन व प्रेषण पर रोक लग गई है। इस संबंध में खनिज विभाग ने रविवार शाम रेत खदान से खनन और प्रेषण बंद होने का तय समय के बाद इस संबंध में रेत खदानों के पट्?टेदारों को आदेश जारी कर दिया। जिला खनिज अधिकारी प्रमोद नायक के मुताबिक तय प्रतिबंधित अवधि के दौरान अवैध रूप से बंद रेत खदानों व अन्य नदी, नाला किनारे से अवैध रूप से रेत खनन व प्रेषण करते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रजनन के लिए दूर देश से कनकी पहुंचे प्रवासी पक्षी

कोरबा। पक्षियों का अपना अलग संसार है और उनका बिल्कुल अलग विज्ञान। तकनीक के इस युग में भी हैरान करने वाला मैपिंग सिस्टम मौजूद है जिसके जहां सहारे वह बड़ी आसानी से पहुंच जाते हैं और कुछ समय के बाद फिर पुरानी जगह पर लौट आते हैं। साइबेरिया जैसे दूर देश से ऐसे ही प्रवासी पक्षी एशियन ओपन बिल स्टार्क की उपस्थिति एक बार फिर कोरबा जिले के कनकी में हो गई है। यहां के प्राचीन मंदिर के पास उनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।

कोरबा जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर करतला विकासखंड के गांव कनकी मैं सफेद रंग के खूबसूरत पक्षियों को देखना लोगों के लिए काफी सुखद एहसास है। एक दशक से पक्षियों ने यहां पर आना शुरू किया है। साइबेरिया की दूरी हजारों किलोमीटर दूर है जहां से यह पक्षी छत्तीसगढ़ के इस शांत स्थान की तरफ रुख करते हैं। बीते वर्षों से उन्होंने इस जगह को अपना सबसे अच्छा ठिकाना माना और उनकी उपस्थिति यहां लगातार हो रही है। अब तक 50 से अधिक पक्षियों का डेरा सीमित आबादी वाले इस गांव में लग चुका है। प्राचीन कनकेश्वर मंदिर के बाहरी परिसर में लगे पीपल के वृक्ष में प्रवासी पक्षियों ने अपना ठिकाना पहले की तरह बनाया है। इस इलाके के ग्रामीण मानते हैं कि पक्षियों की उपस्थिति एक प्रकार से समृद्धि का संदेश है। उन्होंने इसे महसूस किया है इसलिए अभी सभी पक्षियों को अपना सबसे अच्छा साथी समझते हैं और हर प्रकार से उनकी रक्षा भी करते हैं। प्रवासी पक्षी संरक्षण के अंतर्गत वन विभाग की ओर से इस स्थान पर जरूरी जतन किए गए हैं ताकि किसी भी तरीके से उन्हें नुकसान न होने पाए। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रवासी पक्षी मुख्य रूप से प्रजनन के लिए इस स्थान तक पहुंचाते हैं और निश्चित समय के बाद फिर अपने मूल देश को वापस लौट जाते हैं। यूं तो छत्तीसगढ़ में और भी कई अच्छी जगह है लेकिन प्रवासी पक्षियों का कोरबा जिले के इस गांव को चुना यह दर्शाता है कि यहां कुछ खास तो है।

मोदी बनें प्रधानमंत्री जताई खुशी

कोरबा। एक बार फिर केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन हो गया है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। कोरबा में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर खूब खुशी मनाई। ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर आतिशबाजी करने के साथ लोगों का मुंह मीठा कराया गया।

कचांदी नाला के पास भारी वाहन ने बाइक को टक्कर मारी

कोरबा। नक्तिखार के कचांदी नाला पुल के पास हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि मृतक बाइक पर सवार होकर अपने गांव की तरफ जा रहा था जिसे विपरीत दिशा से आ रहे भारी वाहन ने चपेट में ले लिया। दुर्घटना की जानकारी आसपास से आवागमन करने वाले लोगों को हुई जिन्होंने मौके से ही पुलिस को जानकारी दी।

शराबखोरी करने वालों को रोकने झोराघाट में पहुंची पुलिस

कटघोरा। हसदेव नदी के किनारे झोरा घाट पिकनिक स्पॉट पर अब लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। कई बार यहां हंगामा भी हो चुका है। इसे देखते हुए रविवार को पुलिस अलर्ट रही।

लोग भीषण गर्मी में भी यहां नदी में पानी का आनंद उठाने के लिए पहुंच रहे हैं। झोराघाट पिकनिक स्थल पर असामाजिक तत्व भी पहुंचते हैं। इससे परिवार के साथ पिकनिक मनाने गए लोगों को परेशानी होती है। पिछले सप्ताह मार्ग पर दुर्घटना भी हुई थी। इसके बाद से झोराघाट में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी अपनी टीम के साथ पिकनिक स्पॉट पर पहुंचकर नजर रखे हुए थे। झोराघाट में बीच जैसा नजारा भी दिखता है। नदी में पानी की गहराई भी कम होने की वजह से ही लोग डुबकी लगाते हैं। पुलिस के पहुंचने पर अब हंगामा करने वाले युवक भी सतर्क हो जाते हैं। पिछले साल गर्मी के समय यहां मारपीट भी हुई थी।

पोरथा में 59 वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए स्वर्गीय झगरसाय राठौर

सक्ती। ग्राम पंचायत पोरथा में 8 जून को स्व. झगर साय राठौर की 59वीं पुण्यतिथि मनाई गई। स्वर्गीय झगर साय का जन्म 2 दिसम्बर सन् 1922 में पोरथा में हुआ था। उन्होंने अपने समय में ग्राम पंचायत का प्रतिनिधित्व किया गया। ग्राम में बिजली पानी एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनका विशेष योगदान रहा, क्षेत्र में संघ का संचालन एवं प्रचार प्रसार भी किया गया। ये आज भी संघ संचालक के रूप में जाने जाते है, याद किए जाते है। इनकी मृत्यु 8 जून 1965 में हुई। इन्हे ग्राम में कोहिनूर की उपाधि प्राप्त है। पुण्यतिथि पर अवध किशोर, भरतलाल नंद किशोर लोकनाथ, केपी राठौर, यशवंत लता राठौड़, कौशल्या देवी, प्रभा प्रियंका, कल्पना, मधु, गुड़िया, अंजू गंगोत्री, केशव, स्वप्निल प्रियांशु अजितेश, अवि, भुवनेश्वर प्रसाद पाण्डेय, नीलकण्ठ, जय राठौर, राजेन्द्र अशोक, पापुन राज किशोर सोनी, हेतराम राठौर, हेमन्त राठौर, गजेन्द्र राठौर, धनेश राठौर सहित परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चांडीपारा में रात्रि को छेड़छाड़ के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

पामगढ़ । रात्रि में घर घुसकर महिला से छेड़छाड़ करने वाले आरोपित युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामला पामगढ़ थाना का है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र की एक महिला आठ जून को रात्रि 9-45 बजे अपने घर में थी। बच्चे घर के दूसरे कमरे में सो रहे थे। उसी समय चंडीपारा निवासी आकाश खन्ना 21 वर्ष पिता स्व गुड्डू खन्ना आवाज देकर घर का दरवाजा खटखटाने लगा। महिला जब दरवाजा खोली तो वह घर के अंदर घुस गया और बेइजती करने की नियत से छेड़छाड़ करने लगा। महिला जब चिल्लाई तो जान से मार देने की बात कहते हुए हाथ मुक्का से मारपीट किया और भाग गया। महिला की रिपोर्ट पर युवक आकाश खन्ना के विरूद्ध भादवि की धारा 456, 354, 354 (क), 506, 323 कायम कर विवेचना में लिया। पुलिस ने आरोपित आकाश खन्ना को हिरासत में लेकर पूछताछ की जिस पर उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपित युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

एनजीटी के प्रतिबंध से पहले भंडार भरने की कोशिश में जिले के रेत माफिया

शिवरीनारायण। जीवन दायनी कहे जाने वाली महानदी से रोजाना सैकड़ों ट्रिप रेत का अवैध कारोबार धड़ल्ले से हो रहा है। रेत माफियाओं के द्वारा महानदी का सीना चीर कर रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन बेरोकटोक जारी है। महानदी से प्रति दिन 50 से अधिक ट्रेक्टरों से पांच सौ से अधिक ट्रिप रेत की चोरी हो रही है। रेत के अवैध कारोबार में लगे रेत माफिया जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन के नाक के नीचे अवैध खनन और परिवहन कार्य को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन मजाल है जिम्मेदार अधिकारी रेत तस्करी में लगे लोगों पर कार्यवाई करने की हिम्मत जुटा सके। नगर की सड़कों पर पूरे दिन रेत माफिया खुले आम रेत का अवैध परिवहन करते नजर आ जाते हैं।

इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी रेत माफियाओं पर कार्यवाई करने में रुचि नहीं दिखाते जिसके कारण रेत तस्करी में लगे वाहन चालकों के हौसले बुलंद हैं। लगातार हो रहे अवैध रेत के उत्खनन और परिवहन की वजह से जीवनदायनी महानदी के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। रेत तस्करो द्वारा लगातार महानदी के सीने को छलनी कर रेत का अवैध कारोबार किया जा रहा है महानदी में हो रहे अवैध खनन के कारण महानदी बेजान नजर आ रही है। रेत माफिया रोजाना सैकड़ों ट्रिप रेत निकालकर शासन को लाखो रुपए के राजस्व की चपत लगा रहे हैं। इन सब के बाद भी खनिज विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी रेत माफियाओं पर कार्यवाई नहीं कर रहे हैं। शिवरीनारायण में संचालित भोगहापारा रेत घाट को अब तक शासन से स्वीकृति नहीं मिली हैं।

डेढ़ साल पहले समाप्त हो चुका है ठेका समय

महानदी के भोगहापारा रेत घाट का ठेका खत्म हुए डेढ़ साल से अधिक का समय बीत गया है। नया ठेका नहीं होने का फायदा रेत के अवैध कारोबार में लगे लोग उठा रहे हैं। रेत माफिया रोजाना सैकड़ों ट्रिप रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन कर ऊंची कीमतों में रेत बेचकर लाखों रुपए की काली कमाई कर रहे हैं। जिससे शासन को रोजाना लाखों रुपए राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

छोटी मोटी कार्वाई कर झाड़ रहे पल्ला

जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन के नुमाइंदे कार्वाई करने की बजाय हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण ही अवैध कारोबार को बढ़ावा मिल रहा है। महानदी से रोजाना हो रहे सैकड़ों ट्रिप रेत चोरी की जानकारी होने के बाद भी कार्वाई का नही होना इस पूरे मामले में अधिकारियों की सॉलिसता को उजागर कर रहा है। छोटी मोटी कार्वाई कर अधिकारी पल्ला छाड लेते हैं। जबकि महानदी से दिन रात रेत का उत्खनन और परिवहन बदस्तूर जारी है। जिस पर अंकुश लगाने में जिम्मेदार प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है।

कार्वाई का रटा रटाया जवाब देने में माहिर हैं अधिकारी

नगर के महानदी घाट से रोजाना हो रही रेत चोरी पर कार्वाई के संबंध में जब भी जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों को उनका पक्ष जानने के लिए फोन किया जाता है तो अधिकारियों का केवल एक ही जवाब होता हैं, मौके पर जाकर कार्वाई करेंगे लेकिन कार्वाई नही होती। अधिकारियों द्वारा दिए जा रहे कार्वाई का आश्वासन केवल छलावा मात्र है। जिम्मेदार अधिकारी अपना उल्लू सीधा करने के लिए रटा रटाया जवाब देकर अपने दायित्वों से इतिश्री कर लेते हैं और रेत माफियाओं पर कार्वाई नही करते। जिसका फायदा उठाकर रेत माफिया अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। लोग भी अब अधिकारियों की इस कार्यशैली से ऊब गए हैं।

दो सौ एकड़ से अधिक रकबे को खोद डाले रेत माफिया

रेत माफियाओं ने महानदी को मृतप्राय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ठेका नही होने से रेत माफियाओं ने महानदी के दो सौ से अधिक एकड़ रकबे में रेत का उत्खनन कर बेच खाया है। महानदी के चारो ओर केवल गड्ढे और मिट्टी बची हुई है। महानदी के भोगहापारा घाट से रेत खत्म हो रही है। यही हाल रहा तो भोगहापारा रेत घाट को लीज में लेने वाला कोई नहीं रहेगा। रेत माफिया नदी के किनारे से रेत का उत्खनन करके बेचते थे लेकिन अब नदी के मध्य में जाकर ट्रैक्टरो से रेत लोडिंग का काम कर रहे हैं। जिसके कारण नदी का प्रवाह तंत्र प्रभावित होने की पूरी संभावना है।यदि अधिकारी नही चेते और जल्द ही रेत माफियाओं पर अंकुश नहीं लगाया गया तो वह दिन दूर नही जब महानदी के भोगहापारा रेत घाट से रेत का नामो निशान मिट जाएगा।

हर पांच मिनट में सरपट दौड़ रही रेत से भरी गाड़ियां

नगर की सड़को पर हर पांच मिनट में रेत से भरी गाड़ियों के गुजरने का क्रम लगातार जारी है। केरा रोड में रोजाना सुबह 4 बजे से लेकर रात के 10 बजे तक हर 5 मिनट में कोई न कोई ट्रैक्टर महानदी से अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन करता नजर आता है। रेत से भरे ट्रेक्टर अधिकारियों को मुंह चिढ़ाते हुए नगर की सड़को से खुलेआम गुजरते हैं और जिम्मेदार अधिकारी मुकदर्शक बनकर तमाशा देखते हैं।अधिकारियों की निष्क्रियता का यह आलम रोज देखने को मिलता हैं। रेत माफिया रोजाना अधिकारियों को खुली चुनौती देकर महानदी से रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन कर रहे हैं।

रेत का अवैध उत्खनन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्वाई की जा रही है। खनिज विभाग के साथ टीम बनाकर आगे भी कार्वाई की जाएगी।
कृष्ण कुमार जायसवाल
तहसीलदार शिवरीनारायण

नहीं जल रही स्ट्रीट लाईट केरा रोड पर हादसे का इंतजार

शिवरीनारायण। नगर के केरा रोड में लगे स्ट्रीट लाइट दस दिनों से बंद हैं। जिसके कारण लगातार दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। शबरी पुल मोड़ से शबरी धाम कॉलोनी के सामने तक कुछ ही महीनों पहले नगर पंचायत द्वारा लाखों रुपए खर्च कर डिवाइडर निर्माण कर स्ट्रीट लाइट लगवाया गया था। बाईपास रोड के सामने से लेकर शबरी धाम कॉलोनी तक डिवाइडर में लगे 21 स्ट्रीट लाइट विगत 10 दिनों से नहीं जल रहें हैं। जिससे शाम होते ही सड़क पर अंधेरा छा जाता है। शिवरीनारायण - केरा मेन रोड व्यस्ततम मार्ग है। जिसमें रोजाना 24 घण्टे हजारों की संख्या में छोटी बड़ी गाड़ियां चलती हैं। सड़क पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होने के कारण लगातार हादसे की आशंका बनी हुई है। लेकिन इस ओर नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहें हैं।

केरा रोड में डिवाइडर का निर्माण हुए कुछ ही महीना हुआ है। डिवाइडर में आए दिन हादसे होते रहते हैं। अब तक डिवाइडर से तीन बड़े ट्रक, कैप्सूल वाहन व कार टकरा चुके हैं। स्ट्रीट लाइट बंद होने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्ट्रीट लाइट को जल्द सुधरवाने की जरूरत है।

नौ महीने से सड़क किनारे पड़ा है राखड़

केरा रोड में नौ महीने पहले दुर्घटना के बाद कैप्सूल वाहन से खाली किया गया राखड़ सड़क किनारे पड़ा है। जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है साथ ही उस जगह पड़े राखड़ से सड़क सकरी हों जाने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी भी हो रही है। नगर के केरा रोड में हाटल राघव इन के पहले 14 सितंबर 2023 की सुबह राखड़ लोड कैप्सूल डिवाइडर से टकराकर पलट गया था। कैप्सूल वाहन को सीधा करने उसमें लोड राखड़ को सड़क किनारे खाली किया गया। गाड़ी मालिक दुर्घटनाग्रस्त कैप्सूल वाहन को तो ले गया लेकिन सड़क किनारे खाली किए गए राखड़ को नहीं हटवाया। घटना के नौ महीने बीत जाने के बाद भी सड़क किनारे राखड़ जस के तस पड़ा है। राखड़ के उड़ने से लोगों को स्वास्थ्यगत परेशानियां भी हो रहीं हैं। लेकिन सड़क किनारे पड़े राखड़ को हटवाने किसी भी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा अब तक ध्यान नहीं दिया गया है।

केवल में कुछ परेशानी आने के कारण स्ट्रीट लाइट नहीं जल रहें हैं। ठेकेदार को दो साल तक स्ट्रीट लाइट का मेंटेनेंस करना है। ठेकेदार को नया केबल लगाने बोला गया है। जल्द ही स्ट्रीट लाइट शुरू हो जाएंगे। सड़क किनारे पड़े राखड़ को भी जल्द हटवाया जाएगा।
अंजनी तिवारी
अध्यक्ष, नगर पंचायत शिवरीनारायण

ठेकेदार को नया केबल लगाने बोला गया है। जल्द ही स्ट्रीट लाइट जलने लगेंगें। सड़क किनारे पड़े राखड़ को भी जल्द ही हटवाया जाएगा।
आशीष तिवारी
सीएमओ, नगर पंचायत शिवरीनारायण

नशीले सीरप के साथ दो आरोपियों को दबोचा पुलिस ने

जांजगीर - चांपा। बिक्री के लिए बाइक में नशीली कोडीन सिरप लेकर जा रहे दो आरोपितों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों आरोपित भैंसा बजार पारा चांपा के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 62 नग कोडीन सिरप जब्त किया है। आरोपित युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिला कि दो युवक नया बस स्टैंड चांपा के पास खड़े हैं और बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में नशीली सिरप अपने पास रखे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपितों को घेराबंदी कर पकड़ लिया और पूछताछ की। जिस पर एक युवक ने अपना नाम नरोत्तम सहिस पिता महावीर सहिस भैंसा बाजार चांपा का रहने वाला बताया। उसके कब्जे से बैग के अन्दर में उसने 39 नग कोडीन विनक्रेक्स कफ सिरप रखा था । प्रत्येक सीसी में 100 एमएल कीमती 7020 रूपए तथा दूसरे युवक सोम कुमार सहिस पिता यशवंत सहिस निवासी भैंसा बजार चांपा के कब्जे से 23 नग कोडीन विनक्रेक्स कफ सिरप कीमती 4140 रुपये को जब्त किया। दोना आरोपितों के विरुद्ध धारा 21(ख) 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई और गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें रिमांड में जेल भेजा गया।

कुओं का जलस्तर नापा नई तकनीक से

जांजगीर- चांपा। जिले के विभिन्न गांवों में पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए मनरेगा के तहत 5 से 12 जून तक स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान में मनरेगा के साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के संयुक्त रूप से गांव गांव में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। रविवार को जलदूत एप के माध्यम से ग्राम पंचायत में वर्षा पूर्व जलस्तर का सर्वेक्षण किया गया। इसके अलावा सभी शासकीय स्कूलों में जनभागीदारी के माध्यम से साफ-सफाई भी की गई।

जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे ने बताया कि महात्मा गांधी जलदूत एप के माध्यम जो ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विकसित किया है। इसके द्वारा किसी भी गांव के चयनित कुओं के जलस्तर का पता किया जाता है। जलदूत एप से रोजगार सहायक साल में दो बार (मानसून पूर्व और मानसून के बाद) चयनित कुओं के जलस्तर को मापने का कार्य करते हैं। इसके अलावा सभी शासकीय स्कूलों, पंचायत भवन, सामुदायिक क्षेत्र में जनभागीदारी के माध्यम से, साफ-सफाई की गई।

रविवार को स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह के अंतर्गत जनपद पंचायत बलौदा में चारपारा के पंचायत भवन परिसर, उदेबंद में स्कूल परिसर, बछौद- सामुदायिक शौचालय के पास, कुदरी में स्कूल परिसर, औराईकला- तालाब के पास व मुख्य गली, परसदा में मंदिर परिसर,डोंगरी में आंगनबाड़ी परिसर, मड़वा- हाई स्कूल परिसर, जूनाडीह में मिडिल स्कूल परिसर,लच्छनपुर में तालाब किनारे व मुख्य मार्ग, देवरी में देवस्थल परिसर, बुड़गहन में तालाब व पचरी, नवापारा ब- स्कूल व आंगनबाड़ी परिसर, बिरगहनी च- उप स्वास्थ्य केंद्र परिसर व अन्य ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इसके साथ ही सोख्ता, नाडेप टैंक का निर्माण, कचरा कलेक्शन व स्वच्छता शपथ भी लिया गया। जनपद पंचायत अकलतरा की ग्राम पंचायत अमरताल में नाडेप और सोख्ता का निर्माण किया गया है। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत में सोख्ता निर्माण, जनपद पंचायत बम्हनीडीह की ग्राम पंचायत झरना, भवरमाल, नवागाव में जलदूत एप के माध्यम से कुओं का भूजल स्तर नापा गया और नाडेप और सोख्ता का निर्माण किया गया । जनपद पंचायत नवागढ़ की ग्राम पंचायत सलखन में नाडेप और सोख्ता का निर्माण किया गया । 10 जून को मनरेगा अंतर्गत पौधरोपण के लिए प्रस्तावित स्थलों पर गड्ढा खोदा जाएगा। इसके अलावा मनरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत पूर्व में निर्मित सोक पिट की मरम्मत एवं सफाई की जाएगी।

जेईई एडवांस परीक्षा में कई प्रतिभाओं ने खुद को साबित किया

जांजगीर- चांपा। जेईई एडवांस में जिले के होनहारों ने भी बाजी मारी है। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित अत्यंत कठिन परीक्षा में सफलता हासिल कर इन छात्र-छात्राओं ने लोहा मनवाया है।अग्रसेन सेवा समिति नैला के सचिव संजय अग्रवाल और मोनिका अग्रवाल के सुपुत्र तनिश अग्रवाल ने जेईई एडवांस में सफलता हासिल की है। उन्हें आल इंडिया में 78 सौ रैंक मिला है।

उन्होंने 12 वीं की परीक्षा हसदेव पब्लिक स्कूल से उत्तीर्ण की है और बिना कोचिंग किए यह सफलता हासिल की है। तनिश अग्रवाल ने बताया कि वे उन्होंने इस परीक्षा के लिए कोई कोचिंग नहीं ली है। घर में रहकर ही उन्होंने इसकी पढ़ाई की । वे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि सफलता का शाट कट नहीं होता अगर सफलता प्राप्त करना है तो लक्ष्य निर्धारित कर उसके लिए जुटना होगा। वे रोज 8 घंटे पढ़ाई करते थे उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा कपूर चंद अग्रवाल, माता-पिता और अपनी बहन तथा शिक्षकों को दिया है।

उनकी सफलता की खबर मिलने पर विधायक ब्यास कश्यप उनके निवास पहुंचे और गुलदस्ता भेंटकर बधाई दे ते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी तरह जांजगीर वार्ड क्रमांक 17 के शिवेंद्र नामदेव और रश्मि नामदेव की सुपुत्री सौम्या नामदेव ने भी जेईई एडवांस क्वाली फाई की है। उन्होंने 12 वीं की परीक्षा जय भारत स्कूल से 95 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण की है और उन्होंने अपने स्कूल में टाप भी किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरूजनों को दिया है।

आकांक्षा के विद्यार्थियों ने हासिल की सफलता

जिला प्रशासन द्वारा आकांक्षा आवासीय विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को चयन परीक्षा के माध्यम से चयनीत कर उन्हें जेईई और नीट की तैयारी कराई जाती है। जेईई एडवांस में इस संस्थान से इस बार 5 विद्यार्थी चयनीत हुए हैं। इनमें अनुसूचित जाति वर्ग से भूपेंद्र कुमार ने 63 परसेंटाइल हासिल किया है और उन्हें केटेगरी रैंक 4026 हासिल हुआ है। इसी तरह दीपांजली ने भी 52 परसेंटाइल , रोशनी हंसराज ने 45 परसेंटाइल, सचिन कुमार ने 44 परसेंटाइल और मुस्कान खन्ना ने 41 परसेंटाइल हासिल कर जेईई एडवांस क्वाली फाई किया है। ज्ञात हो कि आकांक्षा आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। नीट में भी आकांक्षा के 10 परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की है।

कृषि इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में अनेक छात्र नदारत

जांजगीर-चांपा। व्यापमं द्वारा पीएटी की परीक्षा 9 जून को सुबह 9 से दोपहर 12.15 बजे तक जिला मुख्यालय जांजगीर के 5 केंद्रों में आयोजित की गई। इस परीक्षा में 1516 परीक्षार्थी पंजीकृत थे मगर मात्र 565 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 951 अनुपस्थित रहे। इस तरह मात्र 37.26 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित थे, शेष परीक्षार्थी अनुपस्थित थे।राज्य के कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए पीएटी की परीक्षा रविवार को हुई।

इसके लिए जांजगीर में शासकीय टीसीएल कालेज, शासकीय गर्ल्स कालेज, शासकीय गट्टानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, स्वामी आत्मानंद स्कूल क्रमांक 1 और डाइट को केंद्र बनाया गया था। इन केंद्रों में 1516 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से मात्र 565 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जबकि 951 अनुपस्थित थे। व्यापमं द्वारा खर्च कर पांच केंद्र बनाए गए थे मगर जितने परीक्षार्थी उपस्थित थे उतने लोगों की परीक्षा सिर्फ एक केंद्र में हो सकती थी। व्यापमं द्वारा निशुल्क परीक्षा व्यवस्था शुरू किए जाने से परीक्षार्थी सभी परीक्षाओं में आवेदन तो कर देते हैं मगर परीक्षा में उपस्थित नहीं होते हैं।व्यापमं द्वारा परीक्षा के लिए केंद्र बनाए जाते हैं। एक-एक कक्ष में 4-4 वीक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है और उन्हें 6 सौ रूपए से अधिक भुगतान किया जाता है। परीक्षार्थियों की अनुपस्थिति से ओएमआर सीट और प्रश्न पत्र भी बेकार चला जाता है। इससे व्यापमं को नुकसान होता है इसलिए व्यवस्था में सुधार करते हुए यह नियम बनाया जाना चाहिए कि अगर कोई परीक्षार्थी व्यापमं में फार्म भरने के बाद लगातार दो परीक्षाओं में अनुपस्थित रहता है तो उसे अगली परीक्षा में बिना शुल्क के शामिल होने का अवसर नहीं दिया जाएगा। इससे गंभीर परीक्षार्थी ही परीक्षा के लिए आवेदन करेंगे और वे परीक्षा में शामिल भी होंगे।

केंद्रवार उपस्थित और अनुपस्थित विद्यार्थी

केंद्र का नाम	उपस्थित	अनुपस्थित
टीसीएल कालेज	146	54
शा. गर्ल्स कालेज	130	270
शा. कन्या उमावि	97	203
डाइट	45	109
आत्मानंद स्कूल	147	115
योग	565	951

गड्ढों में पानी भरने से एक्सीडेंट की बनी है आशंका

अकलतरा। नगर के बजरंग चौक से लेकर थाना रोड व मस्जिद रोड गड्ढों में तब्दील हो गई है। हल्की बारिश होने पर ही बारिश का पानी गड्ढों में जमने से मार्ग में आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने कुछ साल पहले बजरंग चौक से लेकर थाना रोड व मस्जिद रोड के मरम्मत व डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य के लिए 50- 50 लाख रुपए की राशि मंजूर की थी। पूर्व परिषद के निर्माण नहीं करने पर नगरीय प्रशासन विभाग ने उस राशि को वापस ले लिया। थाना रोड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महिला एवं बाल विकास कार्यालय, विद्युत विभाग कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन कार्यालय, विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यालय, कन्या एवं बालक छात्रावास, नया पुलिस थाना, शासकीय महाविद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर, सिंचाई विभाग कार्यालय, तहसील कार्यालय एसडीएम कार्यालय व नगर पालिका परिषद के नए कार्यालय भवन का पहुंच मार्ग है।

यहां 24 घंटे वाहनों की आवाजाही होने के साथ-साथ ग्राम खोड़, कटनई, देवरी, पचरी, कापन व अन्य गांव के लोग सहित स्कूल व कॉलेज के छात्र-छात्राएं भी आवागमन करते हैं। इस मार्ग में गड्ढे होने और उसमें पानी भर जाने में आवाजाही मुश्किल हो जाती है। दो पहिया वाहन चालक व लोग गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं। मस्जिद रोड मार्ग स्टेशन पहुंच मार्ग होने के साथ-साथ मार्ग में बगड़िया भवन, अग्रसेन भवन स्थित होने के साथ-साथ मार्ग पर बड़ी संख्या में वार्ड नंबर 7 के लोग निवास करते हैं। साथ ही साथ नगर का प्रमुख व्यस्त मार्ग होने के बाद भी नगर पालिका परिषद द्वारा गड्ढों में मरम्मत कराने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आश्वासन देकर भूल गए वार्ड नंबर 5 व 7 के लोगों ने सड़क की मरम्मत व नया निर्माण की मांग को लेकर पालिका कार्यालय में ज्ञापन दे चुके हैं। लोगों ने नगर विकास समिति के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने का निर्णय लिया था। एसडीएम, तहसीलदार व सीएमओ ने लोगों की बैठक कर आदर्श आचार संहिता के बाद निर्माण का आश्वासन दिया था।

कई दिन तक मजे किया चोरी की बाइक में

पामगढ़। बाइक चोरी करने वाले एक आरोपित युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपित युवक जमगहन थाना भटगांव का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपित युवक के पास से चोरी की एक बाइक बरामद की है। मामला पामगढ़ थाना का है। पुलिस के अनुसार चंडी पारा पामगढ़ निवासी प्रमोद कुमार अपनी बाइक क्रमांक सीजी 11 सी के 1222 को पामगढ़ स्वास्थ्य केंद्र के पीछे खड़ी कर बैठक में चला गया था। बैठक के बाद वापस आकर देखा तो उसकी बाइक वहां पर नहीं थी। कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया था। उसने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। जिस पर पुलिस ने भादवि की धारा 379 कायम कर विवेचना में लिया गया। इसी दौरान पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि एक युवक क्षेत्र में बाइक बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना मिलने पर स्टाफ के रवाना किया गया और प्रतीक्ष कुमार लहरे को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिस पर उसने बाइक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पामगढ़ के पास से चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपित युवक जमगहन थाना भटगांव निवासी प्रतीक्ष कुमार लहरे 28 वर्ष पिता अनेक राम लहरे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया ।

अनमोल वचन......

**समय, शक्ति और पैसा
कभी भी एक साथ नहीं आते!**

अदालत की टिप्पणी मायनेखेज

राजधानी दिल्ली में पानी की भारी किल्लत पर सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी मायनेखेज है। शीर्ष अदालत ने इसी के मद् देनजर हिमाचल प्रदेश को 7 जून को दिल्ली के लिए 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया।साथ ही हरियाणा से कहा कि वह दिल्ली तक पानी का सुगम प्रवाह सुनिश्चित करे। दरअसल, दिल्ली में पानी की घनघोर किल्लत पिछले एक महीने से लगातार बनी हुई है। पानी को लेकर दिल्ली में हिंसक झड़प भी हुई। यहां तक कि एक शख्स की मौत भी हुई। दूसरी ओर, दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता अतिशी ने पिछले हफ्ते हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर अतिरिक्त पानी देने का अनुरोध किया था। हकीकी तौर पर दिल्ली में पानी को लेकर हमेशा से राजनीति होती रही है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हो रहा था। एक तरफ भाजपा ने जहां दिल्ली सरकार को पानी के मसले पर लगातार घेरा और पानी की कमी को लेकर केजरीवाल सरकार की नाक में दम किए रखी। वहीं आम आदमी पार्टी का कहना है कि इस बार चूंकि गर्मी का कहर ज्यादा रहा इसलिए राज्य में पानी की जोरदार कमी महसूस की गई, मगर हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने मानवीय मूल्यों की परवाह नहीं की और दिल्ली की जनता को पानी के लिए तरसाया।

खैर, सर्वोच्च अदालत को इस बात का इल्म है कि पानी पर यहां जमकर राजनीति हो रही है। यही वजह है कि उसने इस मामले में राजनीति न करने की सख्त हिदायत दी है। बहरहाल, पानी की बर्बादी किस तरह की जाती है इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है। अगर लोगों में यह समझ पैदा हो जाए कि पानी का समझदारी से इस्तेमाल और इसे बचाने में ही भलाई है तो ऐसी दुर्गति से बचा जा सकता है। यह शात सत्य है कि पानी को बचाया जा सकता है, मगर पानी बनाया नहीं जा सकता है। वैसे भी जल संकट दिल्ली की बड़ी और काफी दिनों की समस्या है। इससे निपटने का कोई युक्तसंगत उपाय हर हाल में तलाशना होगा। साथ ही अगर जो लोग पानी की बर्बादी करते पाए जाएंगे तो उन पर सख्ती भी की जानी चाहिए। पानी की जरूरत का अहसास तभी होता है जब यह नहीं मिलती है। इस बात को हमें समझना ही होगा।

राशिफल

मेष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धन लाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जायेगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिए दिन अच्छा है।

वृष राशि-आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा आपको अचानक धन लाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है जिससे आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से प्रभावित करेंगे। कोई रूका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी कोई शुभ समाचार मिलने वाला है,

कर्क राशि-आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। पहले किये हुए निवेश का सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज़्बात काबू में रखें ज्यादा भावुक होने से बचे। आज आपको तरक्की के नए रास्ते मिलेंगे।

सिंह राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होंगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। इससे आप नुकसान से बचे रहेंगे।

कन्या राशि-आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा उपहार देंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। किसी नए काम की शुरूआत करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। धन लाभ के नए स्त्रोत मिलेंगे।

तुला राशि-आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेगा, कन्फ्यूज़न की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आप आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए नया प्लान बनाएंगे।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है, तो फायदा होने वाला है। भाग दौड़ के कारण आज आपको आलस्य महसूस होगा, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी ज़रूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।

मकर राशि-आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिए आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। इस राशि के जो लोग पयर्टन के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

कुंभ राशि-आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जाएंगें, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। किसी नए व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है। छात्रों को आज कोई बड़ी सफलता मिलने वाली है।

मीन राशि-आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से आपको छुटकारा मिलेगा। दोस्तों के साथ आज आप पार्टी करने का मन बनाएंगे। आज आपको दूसरों से बात करते समय अपने भाषा पर नियंत्रण रखने की जरुरत है। जीवनसाथी आज प्रसन्न होने की वजह देंगे। ग्राफ़िक डिजाईनर के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, कोई डिजाईन क्लाइंट को पहली बार में ही पसंद आ जाएगी। अचानक धनलाभ होने के योग बने हुए हैं।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान

//भगवती प्रसाद डोभाल//

हाल में दिल्ली में बेबी केयर सेंटर में आग लगने से जो हादसा हुआ, उससे नर्सिंग होम और बेबी केयर सेंटर्स में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान लग गए हैं। इस हादसे के बाद जांच में बहुत सारी खामियां मिल रही हैं। बेबी केयर सेंटर नर्सिंग होम के पंजीकरण पर संचालित किया जा रहा था और इसका लाइसेंस भी 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो चुका था। इसका रिन्यूअल नहीं कराया गया था। मौके पर आग बुझाने का कोई भी उपकरण मौजूद नहीं था और न ही किसी फायर फाइटिंग सिस्टम को लगाने का प्रयास किया गया था। आपातकालीन स्थिति में इमारत से बाहर निकलने के लिए कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था।

इस घटना ने लोगों को दिल्ली में संचालित अन्य निजी नर्सिंग होम, बेबी केयर सेंटर, निजी क्लिनिक और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। इन अस्पतालों और नर्सिंग होम को चलाने के लिए किन नियमों का पालन करना पड़ता है और कहां से लाइसेंस लेना पड़ता है; इस संबध में कुछ जानकारियां हैं- सबसे पहले दिल्ली में नर्सिंग होम चलाने के लिए दिल्ली सरकार के डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से नर्सिंग होम एक्ट के तहत लाइसेंस लेना होता है।

डीजीएचएस कार्यालय में पंजीकरण के लिए आवेदन करना होता है। इसके बाद डीजीएचएस कार्यालय की ओर से नर्सिंग होम बिल्डिंग का निरीक्षण किया जाता है; यदि बिल्डिंग नियमों के तहत सही पाई जाती है, तो नर्सिंग होम चलाने का लाइसेंस दिया जाता है। दिल्ली का मास्टर प्लान 2021 के तहत जांच की जाती है कि उस रेजिडेंशियल एरिया, जहां सड़क की चौड़ाई 9 मीटर या उससे अधिक हो, में क्या नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए स्वीकृति दी जा सकती है।

दूसरा, दिल्ली के फायर एक्ट के तहत फायर विभाग से नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए एनओसी तब लेनी होती है, जब उस बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर से ज्यादा हो। बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर या उससे कम हो, तब एनओसी की जरूरत नहीं होती। तीसरा, चाइल्ड बेबी केयर सेंटर के लिए अलग से परमिशन की जरूरत नहीं पड़ती। उसे नर्सिंग होम के तहत ही पंजीकृत कराकर लाइसेंस लेकर चलाया जा सकता है। डीजीएचएस के जरिए ही बेबी केयर सेंटर को भी नर्सिंग होम एक्ट में पंजीकृत कर सकते हैं।

बेबी केयर सेंटर चलाने के लिए प्रशिक्षित पीडियाट्रिशियन, स्पेशलिस्ट डॉक्टर और प्रशिक्षित नर्स की जरूरत होती है। डीजीएचएस द्वारा किसी भी नर्सिंग होम या अस्पताल को पहली बार तीन साल के लिए लाइसेंस दिया जाता है। लाइसेंस का समय खत्म होने से दो महीने पहले रिन्यूअल के लिए आवेदन करना चाहिए। इस बीच रिन्यूअल की अवधि समाप्त हो रही हो तो तब तक इंतजार करना चाहिए,जब तक डीजीएचएस से कोई सूचना नहीं आ जाती। लेकिन जब तक रिन्यूअल के लिए भेजे गए आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया जाता, तब तक अस्पताल और नर्सिंग होम संचालक अस्पताल चला सकता है। पंजीकरण या लाइसेंस अस्वीकृत होने के बाद ही उसको बंद किया जा सकता है। यदि डीजीएचएस कार्यालय देरी कर रहा है, तो विलंब की बाबत पूछताछ की जा सकती है।

दिल्ली नगर निगम या एनडीएमसी के नक्शे के हिसाब से ही बिल्डिंग बनानी पड़ती है। इस नक्शे और बिल्डिंग को देख कर ही डीजीएचएस की ओर से लाइसेंस दिया जाता है। उसके बाद ही नगर निगम या एनडीएमसी उस बिल्डिंग से हाउस टैक्स लेता है। नर्सिंग होम एक्ट के अनुसार 100 वर्ग मीटर के किसी भी प्लाट पर बनी बिल्डिंग में अस्पताल संचालित कर सकते हैं। भारत में अस्पताल स्थापित करने के लिए नैदानिक स्थापना अधिनियम, 2017 के तहत पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। यह केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित किया गया है। इसके लिए पंजीकरण की आवश्यकता होती है। पंजीकरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

पंजीकरण के लिए अस्पतालों को उस श्रेणी के तहत न्यूनतम आवश्यकता पूरी करनी होती है, जिसके अंतर्गत वह आता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकरण में जब अस्पताल ने इसे किसी निगम/कॉरपोरेट के स्वामित्व में स्थापित किया हो। अधिनियम के लिए आवश्यक है कि निगम पंजीकृत हो और एसोसिएशन के ज्ञापन, लेख, पूंजी संरचना निर्माण, प्रतिभूतियों का आवंटन, खाता ऑडिट आदि जैसे निगमन की आवश्यकता को पूरा करता हो। संपूर्ण भारत में यदि स्वास्थ्य से संबंधित उपचार के लिए अस्पतालों को संचालित करना है, तो हमें स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना होगा, तभी जनमानस का ध्यान स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पतालों की ओर जाएगा, नहीं तो वे सिर्फ आम नागरिक की जेबों को खलास करने के अतिरिक्त कुछ नहीं करेंगे।

मायावती अगर 16 सीटों पर मदद नहीं करतीं तो मोदी का प्रधानमंत्री बनना मुश्किल हो जाता

हाल के वर्षों में खासकर उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के उपचुनावों के समय बसपा ने कई जगह ऐसे उम्मीदवार दिये जोकि विपक्षी मतों का विभाजन करवा कर भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त कर सके। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती एक समय उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में प्रमुख भूमिका निभाती थीं लेकिन समय ने ऐसी करवट बदली कि अब बसपा सिर्फ वोट कटवा पार्टी बन कर रह गयी है। अपनी शर्तों पर राजनीति करतीं रहीं मायावती की पार्टी का उत्तर प्रदेश में मात्र एक विधायक है जबकि कभी यहां उनके पास पूर्ण बहुमत हुआ करता था। मायावती ने चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री का पद संभाला लेकिन आज वह अपनी पार्टी को नहीं संभाल पा रही हैं। चुनाव विधानसभा के हों या लोकसभा के, मायावती और बसपा जिस बेमन से चुनाव लड़ते हैं उससे आरोप लगता है कि वह भाजपा की बी टीम हैं। जब अन्य दलों की तीन-चार दर्जन रैलियां हो जाती हैं तब मायावती प्रचार के लिए निकलती हैं।

इसके अलावा, हाल के वर्षों में खासकर उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के उपचुनावों के समय बसपा ने कई जगह ऐसे उम्मीदवार दिये जोकि विपक्षी मतों का विभाजन करवा कर भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त कर सके। इस बार के लोकसभा चुनावों से पहले मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल होने का न्यौता दिया गया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। उत्तर प्रदेश में जिस तरह इंडिया गठबंधन की जीत हुई है उससे प्रतीत होता है कि यदि मायावती ने इंडिया गठबंधन का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो भाजपा को और भी नीचे लाया जा सकता था। मायावती ने जब इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय किया था तब भी कहा गया था कि ऐसा वह भाजपा के दबाव में कर रही हैं। यही नहीं उनके उत्तराधिकारी और भतीजे आकाश आनंद ने जब लोकसभा चुनाव प्रचार में धुआंधार रैलिया करनी शुरू कीं और उन्हें मीडिया भी तवज्जो देने लगा तो एकदम से आकाश आनंद के पर इस बात को लेकर कतर दिये गये कि उन्होंने एक रैली में हिंसा भड़काने जैसा बयान दिया। देखा जाये तो आकाश आनंद ने जो कहा था वह गलत था लेकिन चुनावी रैलियों के दौरान विभिन्न दलों के नेता आकाश आनंद से भी ज्यादा बढ़-चढ़कर बातें कह रहे थे।

अब जबकि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं तो एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि मायावती की ओर से अकेले लड़ने का निर्णय संभवतः भाजपा की मदद करने के लिए किया गया था। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में भले एक भी लोकसभा सीट नहीं जीती हो लेकिन उसने 16 सीटों पर दूसरों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। 16 सीटों पर बसपा को जितने वोट मिले हैं वो मुख्य प्रतिद्वंद्वियों की हार और जीत के अंतर से ज्यादा हैं। यह सभी 16 सीटें एनडीए के खाते में गयी हैं। इनमें से 14 सीटें भाजपा के पास हैं। एक सीट राष्ट्रीय लोक दल के पास और एक सीट अपना दल (सोनेलाल) के पास गयी है। कल्पना कीजिये कि यदि मायावती के उम्मीदवार मैदान में नहीं होते तो भाजपा को 240 की जगह 226 सीटें ही मिली होतीं और एनडीए का कुल आंकड़ा भी 278 सीटों का ही होता। आज उत्तर प्रदेश में भाजपा जो 33 सीटें लेकर आई है यदि मायावती के उम्मीदवार नहीं होते तो यह नंबर 19 हो सकता था। मायावती ने भाजपा की किस तरह मदद की इसको समझने के लिए उत्तर प्रदेश की भदोही सीट को देखें जहां पर बसपा प्रत्याशी को 1.6 लाख वोट मिले जिसने भाजपा उम्मीदवार डॉ. विनोद कुमार बिंद की जीत का रास्ता साफ कर दिया। इसी प्रकार मिर्जापुर में अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल 37810 वोटों से जीत पाईं क्योंकि बसपा के मनीष कुमार ने 1.4 लाख वोट लेकर सपा उम्मीदवार का खेल बिगाड़ दिया। मायावती के कारण इंडिया गठबंधन के खाते में आने से जो सीटें रह गयीं उनमें अकबरपुर, अलीगढ़, अमरोहा, बांसगांव, भदोही, बिजनौर, देवरिया, फर्रुखाबाद, फतेहपुर सीकरी, हरदोई, मेरठ, मिर्जापुर, मिश्रिख, फूलपुर, शाहजहांपुर और उन्नाव सीटें शामिल हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान भी निचले स्तर तक यह संदेश पहुँचा था कि मायावती ने अपने वोटबैंक को भाजपा की मदद करने के लिए कहा है। हालांकि इस संदेश की सत्यता प्रमाणित नहीं हो पाई थी लेकिन इसने भाजपा को भारी लाभ पहुँचाया था। बहरहाल, यह चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि बसपा का कोर वोट बैंक दलित और जाटव अब इंडिया गठबंधन की ओर जा रहा है। बसपा के वोट बैंक में तीन फीसदी की गिरावट इस बात की जरूरत पर जोर देती है कि पार्टी नेतृत्व को अब गंभीरता से अपने भविष्य पर विचार करना चाहिए। पिछले लोकसभा चुनावों में मिली 10 सीटों की बजाय बसपा का इस बार शून्य पर सिमटना, ज्यादातर बसपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त होना और बसपा की सोशल इंजीनियरिंग फॉर्मूले की हवा निकलने से मायावती का भड़कना भी स्वाभाविक है। मायावती को चूंकि इस बार मुस्लिमों का वोट बिल्कुल नहीं मिला है इसलिए उनका आहत होना भी स्वाभाविक है लेकिन उनका सार्वजनिक रूप से किसी कौम को यह कहना गलत है कि कि वोट नहीं देने वालों को हम भविष्य में सोच समझ कर मौका देंगे। मायावती का यह बयान यह भी दर्शाता है कि वह भी उन नेताओं में शामिल हैं जो तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। देखा जाये तो तुष्टिकरण की राजनीति के लाभ अल्पकालिक ही होते हैं जिसने भी इसे अपनी राजनीति का आधार बनाया है उसकी जमीन एक ना एक दिन खिसकी ही है।

अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता हैं

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए। इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ईवीएम और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र-विरोधी षड़यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं। यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे। क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा। नीतिगत स्थिरता का क्या होगा। शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है।

देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी। लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में सदैव अटल स्मारक पर अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर हमारे बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रांची में स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे।

तीसरी बार मोदी सरकार का गठन, कई युवा नेताओं को मिली प्राथमिकता

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में विदेशी मेहमानों, साधु संतों और लगभग सात हजार लोगों की भीड़ के सामने जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कैबिनेट के साथ शपथ ली तो यह संदेश साफ था कि वह बिना किसी दबाव के सबको साथ लेकर चलेंगे, लेकिन शर्त एक है कि काम से कोई समझौता नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेते ही नरेन्द्र मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के रिकार्ड की बराबरी करते हुए भारतीय राजनीति के इतिहास में बड़ी लकीर खींच दी। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति तीसरी बार मोदी सरकार के गठन में साकार होती दिखी।31 सदस्यीय कैबिनेट के साथ मोदी मंत्रिमंडल में राजग के सहयोगी दलों को समुचित प्रतिनिधित्व देते हुए क्षेत्रीय, जातीय और दलीय संतुलन का पूरा प्रयास दिखा है। अनुभव और ऊर्जा के साथ अपने रोडमैप पर चलने का इरादा दिखाते हुए कुल 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में वरिष्ठ और युवा नेताओं को स्थान दिया गया है। 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में राजग को मिले पूर्ण बहुमत के आधार पर राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद शुक्रवार को नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया।मोदी के नेतृत्व वाली इस राजग सरकार में जिस तरह से मंत्रियों को शपथ दिलाई गई, उसमें गठबंधन का सामंजस्य साफ दिखाई दिया।

मोदी-2.0 में कैबिनेट का आकार 26 था, जिसे बढ़ाकर अब 31 कर दिया है। इनमें पीएम मोदी सहित 21 चेहरे पुराने हैं तो सहयोगी दलों के पांच सदस्यों सहित 11 नए सदस्यों को शामिल किया गया है। इन नए कैबिनेट मंत्रियों में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे अनुभवी नेता की सरकार में वापसी हुई है तो लंबे समय तक अपने-अपने राज्यों की कमान संभाल चुके दिग्गजों मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने भी अपना स्थान बनाया है।राज्य मंत्री के रूप में पिछली सरकार में झारखंड का प्रतिनिधित्व करती रहीं अन्नपूर्णा देवी को प्रोन्नत कर कैबिनेट में लाया गया है। इसी तरह सहयोगी दलों से हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के 78 वर्षीय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी व जनता दल यूनाइटेड के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के साथ आंध्र प्रदेश से चुनाव जीते तेलुगु देसम पार्टी के 36 वर्षीय के. राम मोहन नायडु और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष 41 वर्षीय चिराग पासवान को कैबिनेट मंत्री बनाकर अनुभव, ऊर्जा, क्षेत्रीय, जातीय और दलीय संतुलन का संदेश देने का प्रयास किया गया है। इसी तरह स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्रियों का कोटा भी इस सरकार में बढ़ा दिया गया है।पिछली सरकार में मात्र तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के साथ थे, जबकि इस बार इनकी संख्या पांच कर दी गई है। इनमें हरियाणा से राव इंद्रजीत सिंह, जम्मू-कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल का कद बरकरार रखा गया है तो उत्तर प्रदेश के युवा जाट नेता रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी और शिवसेना शिंदे गुट के सांसद प्रताप राव जाधव को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री बनाया गया है। वहीं, राज्य मंत्रियों की संख्या में भी इस बार वृद्धि की गई है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में 29 राज्यमंत्री थे, जबकि इस बार सभी गठबंधन सहयोगियों को प्रतिनिधित्व देते हुए कुल 36 राज्य मंत्री बनाए गए हैं। इनमें 25 चेहरे नए हैं। पूरे मंत्रि परिषद में सात महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है, जिनमें दो को कैबिनेट में जगह मिली है। पूरे मंत्रि परिषद में सहयोगी दलों से कुल 11 मंत्री बनाए गए हैं। राज्यों की समीकरण भी साधा गया। सबसे बडे प्रदेश उत्तरप्रदेश से जहां 10 मंत्री बनाए गए हैं वहीं बिहार से आठ। ध्यान रहे कि बिहार में अगले साथ विधानसभा चुनाव है। मध्य प्रदेश से पांच है तो हरियाणा से दो।

भाजपा के संगठन में बदलाव का रास्ता साफ, इनको मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

जेपी नड्डा के सरकार में वापसी के साथ ही भाजपा में संगठन की कमान नए हाथ में जाना तय हो गया है। नड्डा का कार्यकाल चुनाव को देखते हुए जून तक बढ़ाया गया था। अब जबकि उन्हें सरकार में लाया गया है तो बदलाव की कवायद तेज होगी। नए भाजपा अध्यक्ष के साथ संगठन में भी अहम बदलाव की अटकलें शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पिछले कार्यकाल में सूचना व प्रसारण मंत्री के रूप में सरकार का चेहरा बने अनुराग ठाकुर इस बार सरकार का हिस्सा नहीं हैं। माना जा रहा है कि उन्हें संगठन में अहम जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। महासचिव बंडी संजय कुमार के सरकार में आने के बाद संगठन में दक्षिण भारत से किसी नए चेहरे को जगह मिल सकती है।

माना जा रहा है कि नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद संगठन में हर स्तर पर भारी भरकम बदलाव होगा। ध्यान देने की बात है कि 2014 में तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह के सरकार में जाने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अमित शाह ने उनकी जगह ली थी। वहीं 2019 में अमित शाह के सरकार में जाने के बाद मोदी की पहली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे जेपी नड्डा को अध्यक्ष बनाया गया था। माना जा रहा है कि संगठन का चेहरा युवा होगा।

अटल सरकार में बुलंदी पर था बिहार, आज तक नहीं मिली इस मंत्रालय की कमान, अब मोदी 3.0 से आस

पटना, 10 जून [एजेंसी]।

अब तक की लगभग हर सरकार में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हालांकि, अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जो बोलबाला रहा, वह बेजोड़ था। तब शीर्ष चार में से दो मंत्रालयों (रक्षा, वित्त) की कमान बिहार को मिली थी। उसके बाद भी दूसरे कई महत्वपूर्ण मंत्रालय बिहारको मिले। जैसे कि रेल, कृषि और ग्रामीण विकास आदि, लेकिन शीर्ष चार मंत्रालयों (गृह, विदेश, वित्त, रक्षा) की कमान नहीं मिली।वाजपेयी से पहले इंदिरा गांधी और चौधरी चरण सिंह की सरकार में भी रक्षा और विदेश मंत्रालय के नेतृत्व का अवसर बिहार को मिला था।गृह मंत्रालय में तो राज्य मंत्री से अधिक की उपलब्धि आज तक नहीं मिली। बहरहाल, हिस्से में आए मंत्रालयों से ही बिहार को अपने हित में सम्यक पहल की अपेक्षा है। बिहार की सर्वोत्तम उपलब्धि जगजीवन राम के नाम दर्ज उप प्रधानमंत्री का पद है। नेहरू से लेकर जनता सरकार तक वे कई महत्वपूर्ण ओहदों पर रहे।उनमें प्रथम वरीयता वाले शीर्ष चार मंत्रालयों में से एक रक्षा मंत्रालय का नेतृत्व भी है। बाद में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में जार्ज फर्नांडिस भी रक्षा मंत्री बने।उनके साथ बिहार से दूसरे दिग्गज यशवंत सिन्हा को वित्त मंत्रालय की कमान मिली थी। वह वर्ष 1998 से 2002 का काल-खंड था।

उस समय जार्ज नालंदा के सांसद थे और यशवंत राज्यसभा के सदस्य।उसके बाद इन दोनों मंत्रालयों में बिहार इस मुकाम तक नहीं पहुंचा। केंद्रीय गृह मंत्री का पद तो बिहार में खाते में आज तक नहीं आया। परंतु, 170 दिनों तक विदेश मंत्री रहने की उपलब्धि श्यामनंदन मिश्र ने दर्ज कराई है। वह चौधरी चरण की सरकार थी और लोकसभा में श्यामनंदन बेगूसराय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।इस बार घटक दलों को संतुष्ट-संतृप्त रखने और सामाजिक समीकरण साधने के उद्देश्य से बिहार से आठ मंत्री बनाए गए हैं। इतनी संख्या में बिहार से एक साथ मंत्री बनाए जाने का यह तीसरा अवसर है। वाजपेयी की सरकार में सक्रिय दिग्गजों के कारण बिहार को विशेष वरीयता मिली थी। उसके बाद मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी रेल और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग मिले।रेल मंत्रालय की कमान इतनी बार मिली कि लंबे समय तक उसकी पहचान बिहार से ही जुड़ी रही।

तो इसलिए बन जाते हैं मंत्री, अटल के खासमखास होने के अलावा इन फैसलों के लिए भी जाने जाते हैं राजनाथ

लखनऊ, 10 जून [एजेंसी]।

केंद्र में तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। लखनऊ संसदीय सीट से तीसरी बार जीत हासिल करने वाले राजनाथ सिंह ने लखनऊ को कर्मभूमि बनाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के अलावा केंद्र में गृह मंत्री व रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके राजनाथ सिंह का लखनऊ से पुराना जुड़ाव इस लिहाज से भी रहा है, क्योंकि वह महोना विधानसभा (अब बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र में शामिल) से 1993 में भाजपा के टिकट पर विधायकी का चुनाव लड़े थे, लेकिन सपा उम्मीदवार राजेंद्र यादव से 12 हजार मतों से चुनाव हार गए थे। इसके बाद भी लखनऊ के लोगों के बीच उनकी सक्रियता बनी रही थी। 2014 में उन्होंने लखनऊ लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर अटल बिहारी वाजपेयी की सीट पर भाजपा का दबदबा बरकरार रखा था। इसके बाद लखनऊ से उनका जुड़ाव और भी बढ़ गया था। सिर्फ उनका ही नहीं, उनके दोनों बेटों का भी लखनऊ से खासा लगाव है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में राजनीति का ककहरा सीखने के बाद उन्होंने 1974 में राजनीति में प्रवेश किया था और मिर्जापुर से 1977 में विधायक चुने गए। मार्च 1997 में उन्हें भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था और उन्होंने राजनीतिक संकट के दौरान दो बार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अक्टूबर 2000 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने, इससे पहले नवंबर 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री बने। 2003 में राजनाथ सिंह केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में कृषि मंत्री बने। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पार्टी की विचारधारा को देश को कोने-कोने में जन-जन तक पहुंचाने का काम किया था। बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों और आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरों के मुद्दे को उठाते हुए कई राज्यों में भारत सुरक्षा यात्रा भी शुरू की थी। वह 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री बने और 2019 में देश के रक्षा मंत्री बनाए गए थे। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तरफ से लगाए आपातकाल का विरोध करने पर राजनाथ सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था और दो साल तक हिरासत में रखा गया। यहां तक की मां के निधन पर भी नहीं रिहा किया गया था। 2007 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे राजनाथ सिंह ने पार्टी में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव रखा था। गृह मंत्री रहते हुए 2015 में उन्होंने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सहित सभी अर्धसैनिक बलों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की थी। राजनाथ सिंह ने अगस्त 2020 में 101 रक्षा-संबंधी वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया था।

यूपी को मिला पूरा सम्मान, सीटें घटने के बावजूद 10 एमपी बने मंत्री

लखनऊ, 10 जून [एजेंसी]।

लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से अपेक्षानुरूप परिणाम न मिलने के बावजूद मोदी 3.0 में भी यूपी का दबदबा कायम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद केंद्रीय कैबिनेट में राजनाथ सिंह का शीर्ष दर्जा कायम है। राज्यसभा सदस्य हरदीप पुरी को कैबिनेट मंत्री और रालोद प्रमुख जयन्त चौधरी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार का दर्जा दिया गया है। सात राज्यमंत्री भी प्रदेश को हासिल हुए हैं।

मोदी 2.0 के मुकाबले यूपी का प्रतिनिधित्व संख्या की लिहाज से भले ही कुछ कम लग रहा हो लेकिन एनडीए सांसदों की कुल संख्या की दृष्टि से इनकी संख्या पिछली बार से बढ़ी है।वर्ष 2019 में यूपी से एनडीए को 64 सीटें हासिल हुई थीं, जबकि इसे बार महज 36 सीटों मिलने पर भी 10 सांसदों को मंत्री का दर्जा दिया गया है। कैबिनेट विस्तार में यूपी के क्षेत्रीय व जातीय समीकरणों का भी पूरा ध्यान रखा गया है। मोदी 3.0 में लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह और राज्यसभा सदस्य हरदीप पुरी को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला है, जबकि रालोद के जयन्त चौधरी (राज्यसभा सदस्य) को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार का दायित्व सौंपा गया है। वहीं, राज्यमंत्रियों में महराजगंज से सांसद पंकज चौधरी, पीलीभीत से सांसद जितिन प्रसाद, आगरा से सांसद एसपी सिंह बघेल, गोंडा से सांसद कीर्ति वर्धन सिंह, बांसगांव से सांसद कमलेश पासवान और मीरजापुर से लगातार तीसरा चुनाव जीतने वाली अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल शामिल हैं। मोदी सरकार ने यूपी से जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को भी साधा है।

जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकी हमला शाह और राजनाथ सहित इन नेताओं ने जताई संवेदनाएं

जम्मू, 10 जून [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार शाम आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर हमला किया, जिसमें नौ लोग मारे गए और 33 घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने वाहन पर गोलीबारी की, जो खाई में गिर गया। यह हमला पोनी क्षेत्र के तेरयाथ गांव के पास शिव खोड़ी मंदिर से कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही बस पर हुआ।रियासी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने बताया कि ये दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया और शिव खोड़ी से कटरा के लिए निकली बस पर गोलीबारी की। चालक ने संतुलन खो दिया और वाहन खाई में गिर गया। मोहिता शर्मा ने बताया कि बचाव अभियान पूरा हो गया है और अब तक इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई है और 33 अन्य घायल हो गए हैं और उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि मृतकों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि वे सभी उत्तर प्रदेश के हैं।कैबिनेट मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमला अत्यंत निंदनीय है। मेरी संवेदना उन परिवारों के साथ है जिन्होंने तीर्थयात्रियों के खिलाफ इस जघन्य कृत्य में अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना करता हूं।उपराज्यपाल ने आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नागरिकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थिति का जायजा लिया है और उन्हें लगातार स्थिति की निगरानी करने तथा परिवारों को हर संभव सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मैं रियासी में एक बस पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। शहीद नागरिकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। हमारे सुरक्षा बलों और जेकेपी ने आतंकवादियों की तलाश के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने स्थिति का जायजा लिया है और मुझे लगातार स्थिति की निगरानी करने को कहा है। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें जल्द ही दंडित किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल और सहायता प्रदान की जाए। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जम्मू-कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों पर हुए हमले की घटना से बहुत दुखी हूं। उपराज्यपाल और डीजीपी, जम्मू-कश्मीर से बात की और घटना के बारे में जानकारी ली। इस कायरतापूर्ण हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा। स्थानीय प्रशासन तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है।

ईश्वर मृतकों के प्रियजनों को इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना करता हूं।डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने कहा कि रियासी के रानसू में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। बस चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप बस खाई में गिर गई, जिसमें 9 लोगों के मारे जाने और कई के घायल होने की आशंका है। इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

घायलों के लिए प्रार्थना और अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना! जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने इस आतंकी हमले को कायराना बताते हुए कहा कि कायर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में यात्रियों पर कायरतापूर्ण हमला किया है... कायर पाकिस्तानी आतंकवादी भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और हमारे अर्धसैनिक बलों का सामना नहीं कर सकते... जिन आतंकवादियों ने यह दुस्साहस किया है, उन्हें अपने अपराध की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

बिल गेट्स ने प्रधानमंत्री की शपथ लेने पर नरेंद्र मोदी को बधाई दी

नईदिल्ली। नरेंद्र मोदी ने आज यानी रविवार को तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर पद की शपथ ली। पीएम मोदी के अलावा राष्ट्रपति भवन में हुए एक भव्य कार्यक्रम में 71 मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनियता की शपथ ली।भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी को दुनियाभर से बड़ी हस्तियों से बधाईयां मिलने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में दुनिया की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने पीएम मोदी को बधाई दी है।बिल गेट्स ने एक्स पर ट्वीट करके कहा, नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार जीतने पर बधाई। आपने स्वास्थ्य, कृषि, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास और डिजिटल परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में वैश्विक प्रगति के लिए नवाचार के स्रोत के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। भारत और दुनिया भर में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर साझेदारी की उम्मीद है।

मुंबई में दो दिन पहले पहुंचा मानसून, कई इलाकों में हुई झमाझम बारिश

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

दक्षिण-पश्चिम मानसून दो दिन पहले रविवार को मुंबई पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी मानसून जल्दी पहुंचा था। मानसून केरल और पूर्वोत्तर में 30 मई को पहुंचा था।आम तौर पर मानसून एक जून तक केरल, 11 जून तक मुंबई और पांच जून को पूर्वोत्तर पहुंचता है।अधिकारियों ने रविवार को कहा कि मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई है। इससे लोगों को गर्म और उमस भरे मौसम से राहत मिली, लेकिन बारिश के कारण जलजमाव और ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा है।भारी बारिश के कारण पड़ोसी पालघर जिले में सड़क का हिस्सा टूट गया, जिससे मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर रविवार सुबह चार घंटे से अधिक समय तक यातायात प्रभावित रहा। ठाणे, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, अहमदनगर, सतारा और जलगांव सहित महाराष्ट्र के कई अन्य जिलों में भारी बारिश हुई है। रविवार सुबह 8.30 बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि में मुंबई में 60 मिमी से अधिक बारिश हुई। कोलाबा वेधशाला जहां राज्य सरकार के अधिकांश कार्यालय हैं, में 67 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास सांताक्रुज वेधशाला में इसी अवधि में 64 मिमी बारिश दर्ज की गई।मौसम विभाग के अनुसार सतारा में पिछले एक दिन में 91 मिमी, नासिक में 64 मिमी, अहमदनगर में 57 मिमी, छत्रपति संभाजीनगर में 51 मिमी और जलगांव में 41 मिमी बारिश दर्ज की गई। ठाणे और पालघर जिलों में भी रातभर भारी बारिश हुई, जिससे कुछ इलाकों में जलजमाव हो गया। रविवार सुबह 8.30 बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि में, ठाणे शहर में 37.06 मिमी बारिश हुई। महाराष्ट्र के लातूर जिले में तेज हवाओं और बारिश के बीच साइनबोर्ड गिरने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि हादसा शनिवार शाम अहमदपुर के पास हुआ। युवक ज्ञानेश्वर बालाजी अपनी मोटरसाइकिल से शिरूर-ताजबंद जा रहे थे। जब वह राजमार्ग के नीचे से गुजर रहे थे तो तेज हवाओं और बारिश के कारण राजमार्ग पर दिशा और दूरी दर्शाने वाला साइनबोर्ड गिर गया।दुर्घटना से हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले पिछले महीने तेज आंधी से घाटकोपर में अवैध रूप से लगा लोहे का होर्डिंग बगल के पेट्रोल पंप पर जा गिरा था। इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

कौन होगा ओडिशा का मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव करेंगे तय

नई दिल्ली। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के साथ ही पार्टी ओडिशा में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। राज्य में अभी मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर नहीं लगी है। इसको देखते हुए ओडिशा का मुख्यमंत्री चुनने के लिए भाजपा ने केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ पार्टी नेता राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ओडिशा के सभी विधायकों से चर्चा करके मुख्यमंत्री के नाम का चुनाव करेंगे। पार्टी की तरफ से पर्यवेक्षकों का नाम बताते हुए पत्र जारी किया गया है।बता दें कि भाजपा ने ओडिशा विधानसभा चुनाव में कुल 147 विधानसभा सीटों में से 78 सीटें जीत दर्ज की है। वहीं, बीजू जनता दल को महज 51 सीट ही मिली हैं। एसे में ओडीशा का नया मुख्यमंत्री कौन होगा, इसको लेकर सबकी निगाहें उस नाम की घोषणा पर टिकी हैं।

भाजपा के संगठन में बदलाव का रास्ता साफ, किसी युवा चेहरा को सौंपी जा सकती है अहम जिम्मेदारी

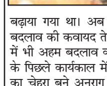

नईदिल्ली, 10 जून [एजेंसी]।

जेपी नड्डा के सरकार में वापसी के साथ ही भाजपा में संगठन की कमान नए हाथ में जाना तय हो गया है। नड्डा का कार्यकाल चुनाव को देखते हुए जून तक बढ़ाया गया था। अब जबकि उन्हें सरकार में लाया गया है तो बदलाव की कवायद तेज होगी।नए भाजपा अध्यक्ष के साथ संगठन में भी अहम बदलाव की अटकलें शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पिछले कार्यकाल में सूचना व प्रसारण मंत्री के रूप में सरकार का चेहरा बने अनुराग ठाकुर इस बार सरकार का हिस्सा नहीं हैं। माना जा रहा है कि उन्हें संगठन में अहम जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। महासचिव बंडी संजय कुमार के सरकार में आने के बाद संगठन में दक्षिण भारत से किसी नए चेहरे को जगह मिल सकती है।माना जा रहा है कि नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद संगठन में हर स्तर पर भारी भरकम बदलाव होगा। ध्यान देने की बात है कि 2014 में तत्कालीन अध्यक्ष राजनाथ सिंह के सरकार में जाने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अमित शाह ने उनकी जगह ली थी। वहीं 2019 में अमित शाह के सरकार में जाने के बाद मोदी की पहली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे जेपी नड्डा को अध्यक्ष बनाया गया था। माना जा रहा है कि संगठन का चेहरा युवा होगा।

क्या समुद्र के धरातल पर बसा है मनेन्द्रगढ़?

आध्यात्मिक कहानियां में कृष्ण कन्हैया के मुख में उनकी माता यशोदा ने जिस ब्रह्मांड को देखा था इसी ब्रह्मांड में बसा है हमारा सूर्य और यह हमारा सौरमंडल. जिसमें नौ ग्रह अपने अपने परिक्रमा राह में सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहे हैं. उसी में एक ग्रह हमारी पृथ्वी भी है जो कई रहस्यों से भरी हुई है इसी रहस्य का एक अध्याय खुलता मनेन्द्रगढ़ में. पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति का वैज्ञानिक दस्तावेज गोंडवाना मेरिन फासिल्स अर्थात गोंडवाना समुद्री जीवाश्म मनेन्द्रगढ़ में स्थित है आईए मेरी लेखनी से इसी पर्यटन विषय पर पूर्व में लिखे पर्यटन केंद्र 2 के लेख से आगे की चर्चा प्रारंभ करते हैं.

बीरेंद्र श्रीवास्तव

कोरिया बैकुंठपुर। वैज्ञानिक जानकारी के अनुसार पृथ्वी का निर्माण लगभग साढे चार अरब वर्ष पूर्व हुआ था लेकिन इस पृथ्वी पर जीवन प्रारंभ में मौजूद नहीं था गर्म तपती पृथ्वी के अलग-अलग स्वरूप में जब ठंडापन आया होगा तब धीरे धीरे पृथ्वी की इस हलचल में समुद्र का निर्माण हुआ होगा.वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आज से लगभग 50 से 100 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी पर समुद्र का निर्माण हुआ ,जो धरती के नीचे की टेक्टानिक प्लेट के खिसकने के कारण ही यह संभव हुआ . जो पृथ्वी के साथ-साथ पानी को भी अलग-अलग खंडो में बांट देती है. पृथ्वी की आयु ब्रह्मांड की आयु से लगभग एक तिहाई है. प्रारंभिक वातावरण में पृथ्वी पर कोई ऑक्सीजन अर्थात प्राणवायु नहीं थी. समय के बदलाव में धीरे-धीरे परिवर्तन हुआ और समुद्र की उत्पत्ति के बाद ऑक्सीजन का निर्माण भी प्रारंभ हुआ जो जीवन को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी था.

पृथ्वी के जीवन को वैज्ञानिकों ने कई काल खंडो में विभाजित किया है जिसमें पेलियोजोइक और मिजोजोइक कालखंड जीवन की उत्पत्ति के कालखंड माने गए. कई करोड़ वर्ष पुराने जीवन उत्पत्ति के कालखंड में पृथ्वी पर जीवन उत्पत्ति एवं नष्ट होने के भु प्रमाण मिलते रहे है. वर्तमान प्रजातियां 10 से 14 मिलियन वर्ष पुरानी कही जाती है पुराने जीवन की उत्पत्ति का काल 55 करोड़ वर्ष पुराना माना गया है, जो प्रारंभ होकर समाप्त हो गया. टेक्ट्रॉनिक प्लेट के आपसी टकराहट से पृथ्वी पर देश और समुद्री सीमाएं समय-समय पर बनती बिगड़ती रही और इसी में भारतवर्ष की सीमाएं भी शामिल थी. जिसे अफ्रीका महाद्वीप का एक हिस्सा भी माना जाता है.

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भारत की सीमा में करोड़ों वर्ष पहले एक टेथिस काल्पनिक महासागर का फैलाव था. जो पृथ्वी के उत्तरी 30% से लेकर भूमध्य रेखा तक फैली हुई थी. इसी महासागर की एक धारा का फैलाव मनेन्द्रगढ़ तक था. यह टेथिस महासागर एक प्राचीन महासागर था जो हिंद महासागर के विकास के 250 से 300 मिलियन वर्ष पहले अस्तित्व में था. यह महासागर पूर्व से पश्चिम की ओर उन्मुक्त और गोंडवाना तथा लारेशिया के महाद्वीपों को अलग करता था वैज्ञानिकों द्वारा आल्पस एवं अफ्रीका से प्राप्त समुद्री जीवाश्म के रिकॉर्ड का उपयोग करके एक विशाल महासागर की उपस्थिति का अनुमान लगाया गया है. पृथ्वी के निर्माण के प्रर्मियन काल में 28 करोड़ वर्ष पहले के समुद्री सीमा के हिस्से में मनेन्द्रगढ़ का यह हिस्सा भी शामिल रहा होगा. ऐसा अनुमान इसमें रहने वाले प्राथमिक जीवन के समुद्री जीव लगभग 28 से 29 करोड़ वर्ष पहले प्राकृतिक बदलाव से मनेन्द्रगढ़ तक आ पहुंचा था और उस काल के जीवन का प्रमाण यहां हिमनद के मौसमी परिवर्तन में बर्फ के बीच दबकर यथावत रह गए. जो जीवन के साक्ष्य के रूप में पत्थरों के बीच दबे हुए यथावत आज भी पाए जा रहे हैं. भारतवर्ष के छत्तीसगढ़ राज्य के मनेन्द्रगढ़ नगर एवं आसपास के गांव को घेर कर चलने वाली हसदो नदी की धारा के दाहिनी ओर मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी रेलवे पुल के नीचे पाई गई है. यह पुल से उत्तरी दिशा की ओर लगभग 1 किलोमीटर दूर हसिया एवं हंसदो नदी के मिलन स्थल तक फैली हुई है .

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ में पाया जाने वाला गोंडवाना मरीन फॉसिल्स की जानकारी मैं अपने पूर्व पर्यटन लेख क्रमांक 2 में समुद्री धरातल पर बसे नगर मनेन्द्रगढ़ में पहले ही दे चुका हूं किंतु इस मेरीन फॉसिल्स की 1954 (जानकारी मिलने के बाद) से अब तक के विकास यात्रा के उतार-चढ़ाव की कहानी के कई पन्ने बाकी हैं जिन्हें इस लेख में जोड़ने की कोशिश कर रहा हूं. 1982 में जियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया कलकत्ता द्वारा जिओ टूरिज्म पार्क घोषित कर या यह संस्था चुप हो गई और इसके विकास के कार्यों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया. शोध छात्रों के अध्ययन टूर के अतिरिक्त यहां पर और कुछ भी नहीं बनाया गया. और शोध छात्रों द्वारा इसके विकास और प्राचीनता को लेकर जगह-जगह पत्र पत्रिकाओं और शोध ग्रंथ में इसकी चर्चा होती रही जो इसके जीवन्त बने रहने के लिए पर्याप्त थे. किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए जुनून की हद तक रुचि रखने वाले संस्थानों एवं समूह की आवश्यकता हमेशा से इस तरह के विकास कार्यों के लिए समाज को पड़ती रही है चाहे वह स्थान मनेन्द्रगढ़ हो या कोई अन्य स्थान. एक वैज्ञानिक खोज को उसकी महत्ता के साथ पर्यटन एवं शिक्षाप्रद मनोरंजन स्थल बनाने में काफी समय लगता है. उससे भी ज्यादा जरूरी होता है राजनीतिक व्यवस्थाओं के बीच ऐसे स्थलों को विकास के मुद्दे बनाकर समाज एवं प्रचार प्रचार माध्यमों के बीच जीवित बनाए रखना. स्थानीय संस्थाओं में 1947 से संचालित साहित्य, पर्यावरण एवं धरोहरों के विकास एवं संरक्षण के लिए समर्पित संस्था संबोधन

(गोंडवाना समुद्री जीवाश्म के अनजाने पन्नों की गाथा)

साहित्य एवं कला परिषद मनेन्द्रगढ़ ने इसे जीवित बचाए रखा, इन संस्थाओं विकास के कार्य समय के बदलाव के साथ नींव की पत्थरों की तरह दबा दी जाती है. प्रशासन और राजनीतिक संस्थाएं ही इसके निर्माण का श्रेय प्राप्त करती है क्योंकि विकास का आर्थिक ढांचा उनके हाथों में होता है, जबकि ऐसी संस्थानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए. विकास के लिए प्रयत्नशील संस्थाएं अपने उद्देश्य के अनुरूप निरंतर गति से कार्य करती रहती है. ऐसी संस्थाओं को पुस्तकों में और शोध ग्रंथों में भले ही स्थान मिल जाता हो लेकिन सामाजिक रूप से काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. गोंडवाना मैरिज फॉसिल्स के लगातार चर्चा में बने रहने के कारण समय एवं परिस्थितियों ने इसे राजनीतिक सीढ़ीयो तक पहुंचा दिया. और वर्ष 2010 मे जी एस आई के डायरेक्टर डॉ आर एल जैन का मनेन्द्रगढ़ आगमन एवं संस्था के अनुरोध पर कलेक्टर को पत्र लिखना और उसके बाद संबोधन संस्थान द्वारा इसे लगातार चर्चा में बनाए रखने के कारण क्रमशः वर्ष नवंबर 2012 ,एवं वर्ष 2015 में बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट, आफ पेलियेन्टोलाजी लखनऊ का मनेन्द्रगढ़ फासिल्स पार्क सर्वे की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई. यह विकास यात्रा अब दो-चार कदम ही सही लेकिन आगे चल पड़ी है जिससे अंचल के निवासियों में इसके विकास की उम्मीद बढ़ी है . इस क्षेत्र के संरक्षण एवं विकास के लिए चारों तरफ फेंसिंग कर दी गई है. भीतर में कई पगोड़ा बनाकर ऐसे बैठक स्थल बना दिए गए हैं जिसमे आप परिवार एवं मित्रों सहित नदी नालों तथा वनों का प्राकृतिक आनंद ले सकते हैं. फॉसिल्स स्थल को नष्ट होने से बचाने के लिए अलग से फेंसिंग कर इसे आकर्षक स्वरूप दे दिया गया है जो फोटोग्राफी और मनोरंजन की दृष्टि से हमें आकर्षित करता है. इसी फासिल्स स्थल में एक किनारे एक और पगोड़ा बनाकर वहां से समुद्र तथा फॉसिल्स पार्क की वास्तविक स्थिति को देखा जा सकता है इसके साथ ही साथ ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यह हमें मनोरंजन तथा पर्यटन की दृष्टि से आकर्षित करता है. फॉसिल से स्थल तक पहुंचाने के लिए प्राकृतिक पत्थरों के दो मार्ग बनाए गए हैं जो रोमांच पैदा करते हैं और ऊंची नीची पहाड़ी रास्ते पर चलते हुए संभलने के लिए हमें संदेश देते हैं. इस पहाड़ी मार्ग पर चलते हुए आपके शरीर को कसरत तथा योग की विभिन्न मुद्राओं से बचकर चलने के कारण आपके शरीर को स्वस्थ रखने में भी सहयोग करते हैं. हालांकि धन के अभाव में इसकी अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है. अब तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार एसईसीएल द्वारा सहयोग का हाथ बढाये जाने से उम्मीद बड़ी थी लेकिन अब तक उनकी सहयोग राशि प्राप्त नहीं हो पाने के कारण विकास कार्य टुकड़ों में करने के लिए जैव विविधता विभाग बाध्य है. पर्यटन एवं शोधार्थियों के लिए यहां उपलब्ध फॉसिल्स के अवशेष को सुरक्षित रखने के लिए इसे मोटे कांच से ढकने की योजना है जिसमें मैग्नीफाइंग ग्लास भी लगाने की योजना शामिल है ताकि इसे क्षरण से बचाया जा सके। इसके किनारे पतले मार्ग बनाकर पर्यटकों को दूर से दिखाने का प्रयास किया जा रहा है. एक छोटे म्यूजियम का निर्माण कार्य जारी है जहां फॉसिल्स अवशेष की लाइटिंग एवं फॉसिल्स की जानकारी से इसे साफ-साफ देखा और समझा जा सकेगा. इसी तरह एक बड़े पर्दे पर पृथ्वी की संरचना के उतार-चढ़ाव के मध्य मनेन्द्रगढ़ की संरचना में प्राप्त फासिल्स की उपस्थिति की संक्षिप्त जानकारी भी देने का प्रयास किया जाएगा. दृश्य श्रव्य (ऑडियो- विजुअल) संसाधन की यह प्रस्तुति अंचल के लिए एक नए आकर्षण का केंद्र बनेगी. करोड़ों वर्षों के भूगर्भी ऐतिहासिक जीवन के लिए संरक्षित इस वन में जैव विविधता के कई वृक्ष और पौधे की प्रजातियां को भी बचाने का प्रयास किया जा रहा है. इस वन में आपको पुराने समय में सोने को तौलने के सुनारों द्वारा उपयोग किया जाने वाला रत्ती जिसे घुंची भी कहा जाता है इस जंगल में पाया जाता है. रास्ते में चलते समय यदि आप ध्यान से जमीन की तरफ देखते रहेंगे तब लाल रंग के छोटे गोल ठोस बीज पर लगा काला धब्बा इसकी सुंदरता पर लगे डिठौने जैसा दिखाई पड़ता है. जो आपका भी ध्यान आकर्षित करता है. यह घुंची अपनी खूबसूरती और सुन्दरता के कारण आपका मन मोह लेगी. इसी तरह पत्थरों के आसपास अमृत संजीवनी नाम से ज्ञात एक सैवाल जो सुख जाने के बाद भी उठाकर पानी में डाल देने से फिर हरी भरी पत्तियों से भर जाता है, यहां काफी मात्रा में पाया जाता है. आपके छूने मात्र से शरमा जाने वाली छुईमुई भी आपको यहां रुके हुए पानी के गड्ढो के आसपास मिल जाएगी. कई रोगों की दवा जिसमें आसानी से महिलाओं की जचकी के लिए भी ग्रामीण इसका उपयोग करते हैं. इस विश्व धरोहर गोंडवाना समुद्री जीवाश्म पार्क के आसपास की भूमि पर तेजी से बढ़ता अतिक्रमण आज सबसे बड़ी चिंता का कारण बन चुका है

अनुराग कश्यप की वेब सीरीज बैड कॉप का ट्रेलर जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

फिल्मों की दुनिया में एक से बढ़कर एक कहानी लाने वाले अनुराग कश्यप अब एकबार फिर से एक्टिंग करते नजर आने वाले हैं, वो भी वेब सीरीज में. उनकी आने वाली वेब सीरीज का नाम है, बैड कॉप. इस सीरीज में अनुराग कश्यप विलेन के किरदार में हैं. इसके अलावा बैड कॉप में गुलशन देवैया का डबल रोल है. वेब सीरीज का धांसू ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है बैड कॉप के ट्रेलर में गुलशन देवैया डबल रोल में हैं. जिसमें से एक करण है तो दूसरा अर्जुन. करण पुलिस वाला बना है और अर्जुन चोर होता है।

इंटरनेट पर छाया काजल अग्रवाल का बॉसी लुक, किलर फोटोज देख हैरत में पड़े फैंस

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल आए दिन अपनी अदाओं से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। एक्ट्रेस हर बार अपनी सुपरबोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस को हैरान कर देती हैं। अब हाल ही में काजल अग्रवाल ने अपने लेटेस्ट आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं जिसमें वो बेहद हॉट नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल सोशल मीडिया लवर हैं। वो आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

काजल अग्रवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स को देखकर दीवाना हो जाते हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों में भी उनका सिजलिंग अवतार देख फैंस मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इस फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।

बालों को बांधते हुए, लाइट मेकअप कर के और न्यूड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हुए नहीं थकते हैं।

फेशियल कपिंग है त्वचा की देखभाल का नया ट्रेंड, जानिए इससे जुड़ी जरूरी बातें

बढ़ती उम्र के साथ हमारे चेहरे पर झुर्रियां और झाइयां होने लगती हैं। इनके कारण चेहरा उम्रदराज दिखाई देता है और आत्मविश्वास पर असर पड़ता है।ऐसे में महिलायें इन त्वचा संबंधी परेशानियों को दूर करने के लिए कई तरह के ट्रीटमेंट लेती हैं, जिनमें से एक है फेशियल कपिंग। इसके जरिए त्वचा की देखभाल करके आप अपनी त्वचा को दोबारा युवा और चमकदार बना सकती हैं।आइए जानते हैं फेशियल कपिंग क्या है और इसे कैसे किया जाता है।

क्या होती है फेशियल कपिंग?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि फेशियल कपिंग, कपिंग का एक हल्का रूप होता है।

इसमें छोटे रबड़ के कप के माध्यम से त्वचा को धीरे से ऊपर उठाया जाता है।इसमें कप के जरिए त्वचा पर कम तीव्रता वाला सक्शन पैदा किया जाता है। इससे ऊतकों में खिंचाव होता है और उस क्षेत्र में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है।चेहरे की कपिंग से रक्त परिसंचरण को बढ़ावा मिलता है और कई त्वचा स्थितियों का इलाज होता है।

फेशियल कपिंग बनाम शरीर की कपिंग

चेहरे और शरीर की कपिंग दोनों एक समान होती हैं, फिर भी इन दोनों को अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।फेशियल कप छोटे और मुलायम होते हैं, जो धीरे से त्वचा को फेसिआ (जोड़ने वाले ऊतक) की गहरी परतों से दूर खींचते हैं। दूसरी ओर शरीर की कपिंग का उपयोग मुख्य रूप से शरीर के दर्द से राहत पाने के लिए किया जाता है।इस कपिंग के लिए कप कांच, बांस या मिट्टी से बनाए जाते हैं।

ऐसे की जाती है फेशियल कपिंग

इस प्रक्रिया में चेहरे पर धीरे-धीरे सक्शन कप को रखा जाता है, जिसके जरिए त्वचा में खिंचाव पैदा होता है। यह आसपास के ऊतकों को ताजे खून से संतृप्त करता है और नई रक्त वाहिका के निर्माण को बढ़ावा देता है।

शब्द सामर्थ्य -083

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 082 का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

क्या गर्मियों के दौरान रात को नहाना सुरक्षित है?

कई लोगों का मानना है कि सोने से पहले रात में नहाने से उनके शरीर के तापमान को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे न सिर्फ गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है, बल्कि आरामदायक नींद भी मिलती है।वहीं कुछ लोग समझते हैं कि इससे संभावित स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।आइए आज हम आपको 5 ऐसी महत्वपूर्ण बातें बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आपको रात में नहाने से अधिकतम लाभ मिल सकते हैं।

नहाने से पहले और बाद में जरूर पिएं पानी

नहाने से पहले और बाद में पानी पीने से दिन भर में हुई तरल पदार्थ की कमी की कुछ हद तक भरपाई हो सकती है। यह शरीर में जलयोजन के स्तर को बनाए रखने का एक आसान तरीका है।इसके अतिरिक्त अपने नहाने वाले पानी में एप्सम नमक मिलाएं, जिससे शरीर में मैग्नीशियम के स्तर को फिर से भरने में मदद मिल सकती है, जो पूरे दिन में पसीना आने के कारण खत्म हो जाती है।

हल्के गर्म पानी का करें इस्तेमाल- बेशक गर्मियों में आप हल्के गर्म पानी से भी नहाना न पसंद करें, लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे मांसपेशियों को आराम मिल सकता है।अधिक लाभ के लिए अपने नहाने के पानी में लैवेंडर या कैमोमाइल तेल की कुछ बूंदें मिलाएं क्योंकि इनसे शरीर को कई फायदे मिल सकते हैं।इनसे शरीर यह भी संकेत दे सकता है कि अब सोने का समय हो गया है और फिर आपको बेहतर आराम मिलेगा। साबुन का चुनाव करते समय बरतें सावधानी -कई लोग नहाने के दौरान खुशबूदार और झागदार साबुन का इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन इस तरह के साबुन त्वचा को रूखा कर सकते हैं। इसलिए नहाने के लिए ऐसे साबुन का इस्तेमाल न करें।साथ ही जिस साबुन को नहाने के लिए इस्तेमाल करें उसे त्वचा पर बिल्कुल न रहने दें, क्योंकि उससे त्वचा पर मुहांसे या दाने हो सकते हैं।इन परेशानियों से बचने के लिए उच्चतम गुणवत्ता के साबुन या शावर जेल का चयन करें। त्वचा को स्क्रब करें- अगर आप रात को नहाते समय त्वचा को साफ करने के लिए बॉडी स्क्रबर का इस्तेमाल करते हैं तो यह पूरे दिन शरीर पर जमा हुई गंदगी को निकालने और बंद रोमछिद्रों को खोलने में सहायता कर सकता है।हालांकि, बॉडी स्क्रबर को तेजी से न रगड़ें क्योंकि इससे त्वचा पर जलन होने की संभावना बढ़ सकती है।

कोरिया जिले में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में ध्यान नहीं दे रहे हैं विभाग

बिना सिंचाई सुविधा व मिट्टी जांचे 15 एकड़ में 1000 से ज्यादा नारियल पौधे रोपे, एक पौधा भी नहीं बचा

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में शासन की योजनाएं सफेद हाथी साबित हो रही है विभाग के द्वारा पैसों के बंदर बाट में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं जिससे शासन की सारी योजनाएं फेल हो रही हैं जिला प्रशासन के लाख समीक्षा के बावजूद भी विभाग कितनी सफाई से भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं।

कोरिया जिले में जिला प्रशासन को चाहिए कि इन विभागों के जमीनी हकीकत को ध्यान देते हुए जांच की कार्यवाही करवानी चाहिए जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया जा सके। जिले में कृषि विज्ञान केंद्र विभागीय भ्रष्टाचार का केंद्र बनकर रह गया है जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत फूलपुर के शंकरपुर में कृषि विज्ञान केंद्र कोरिया ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत 15 एकड़ परत भूमि पर 41.27 लाख रुपए खर्च कर एक हजार नारियल के पौधे लगाए थे पर यहां एक भी पौधा जीवित नहीं बचा है। नारियल के पौधे जिस भूमि पर लगे थे वह जमीन पथरीली और टीले पर है। सिंचाई सुविधा के अभाव में पौधे मर गए। केवीके ने यहां बोर खनन भी करवाया था, लेकिन बोर में पानी नहीं मिला। झुमका बांध से पाइप कनेक्शन कर पानी लाने की योजना भी आगे नहीं बढ़ सकी। जिले में नारियल की मांग 12 महीने रहती है, इसे देखते हुए केवीके ने 6 से 8 माह के नारियल पौधों का रोपण किया था। पौधे बढ़ने भी लगे थे, लेकिन सिंचाई सुविधा के अभाव में पौधे जीवित नहीं बचे। बता दें कि केवीके ने मनरेगा के तहत तीन अलग-अलग स्वीकृति में कार्य को पूरा किया था।

इसके तहत 15 एकड़ जमीन का समतलीकरण, फेंसिंग, गड्ढा खनन के साथ पौधे लगाए गए थे। विभागीय जानकारी के अनुसार 2020-21 में शुरू हुए कार्य में पहली प्रशासकीय स्वीकृति 13.09 लाख रुपए की मिली थी। इसमें श्रमिक लागत पर 8.38 लाख रुपए व सामग्री पर 4.71 लाख रुपए खर्च किए गए थे। दूसरी स्वीकृति 14.37 लाख थी। इसमें श्रमिक लागत 8.56 लाख व सामग्री पर 5.81 लाख रुपए लगे थे। वहीं तीसरी स्वीकृति 13.18 लाख रुपए थी। इसमें श्रमिकों को 3.55 लाख का भुगतान व सामग्री पर 9.63 लाख रुपए खर्च हुए।

गंदगी से भरी नालियों से परेशान वार्ड वासी

चरचा कालरी। मौसम विभाग के अनुसार जल्द ही छत्तीसगढ़ प्रदेश में मानसून आने की संभावना बताई जा रही है इसकी जानकारी नगर पालिका शिवपुर चर्चा प्रशासन को है बावजूद इसके पालिका क्षेत्र के नालियों की सफाई व्यवस्था के प्रति पालिका प्रशासन उदासीन नजर आ रहा है दिखावे के लिए सोशल मीडिया में साफ सफाई की बातें कही जाती हैं जबकि वास्तविकता इससे परे हैं पालिका क्षेत्र के कई वार्डो की नालियां कचरे से भरी बजबजा रही है नालियों में काफी मात्रा में पॉलीथिन व अन्य सामग्री नजर आती है नालियों से असहनीय बदबूदार दुर्गंध फैल रही है।

जिससे संक्रमण फैलने व बीमारी फैलने की संभावना को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता जा रही है नगर पालिका शिवपुर चर्चा प्रशासन द्वारा भारी मात्रा में प्रतिवर्ष ब्लीचिंग पाउडर किटनाशकों की खरीदी की जाती है किंतु नालियों में नाम मात्र के लिए उपयोग होता है पालिका के वार्ड क्रमांक 14 की नालियां और भी बदतर स्थिति में है नालियों में कई सप्ताह से सफाई कार्य नहीं किया गया गया इसकी वजह से नालियां जाम पड़ी है नालियों के ऊपर स्लैब रखे हुए हैं जिन्हें हटाकर साफ करना जरूरी है कुछ दिनों पूर्व बारिश हुई थी तब नालियों के जाम होने की वजह से बारिश का पानी नालियों से होते हुए कई आवासो में घुस गया गया था समय पूर्व सफाई न होने से वैसे ही स्थिति निर्मित हो सकती है इसलिए जरूरी है कि समय पूर्व नालियों की सफाई कराई जाए जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। नगर पालिका शिवपुर चर्चा के स्वच्छता प्रभारी ने कहा कि बारिश के पूर्व सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी सभी वार्ड में सफाई कार्य र जल्द पूरा कर लिए जाएंगे स्वच्छता प्रभारी की बातों में कितना दम है यह तो जल्दी पता चल जाएगा जब बारिश की शुरुआत होगी और लोगों को नाली के पानी से निजात मिलेगी।

जली हुई अवस्था में मिली बोलेरो

सूरजपुर। भैयाथान इलाके के खाड़ापारा गांव में रविवार सुबह पूरी तरह जलकर खाक बोलेरो वाहन मिलने से सनसनी फैल गई है। जली हुई बोलेरो किसकी है, पुलिस अभी तक पता लगा पाने में नाकाम रही है। मामले को लेकर संशय की स्थिति बरकरार है। जिले की भैयाथान पुलिस को रविवार की सुबह ग्रामीणों ने सूचना दी कि खाड़ापारा गांव के पगडंडीनुमा मार्ग में एक अज्ञात बोलेरो वाहन जला हुआ पड़ा है। ग्रामीणों की सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची भैयाथान पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरी तरह जलकर राख हुई बोलेरो वाहन का बोनेट भी खुला हुआ होने से घटना को लेकर तरह तरह की चर्चाएं हो रही है। वाहन किसका है, पुलिस को अब तक पता नही चल सका है। वाहन में कौन कौन सवार थे और वे कहां गायब हो गए। इस बात को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। इस संबन्ध में भैयाथान टीआई फरदीनन्द कुजूर ने बताया कि वाहन मालिक का पता लगाया जा रहा है। पता चलने पर वास्तविक स्थिति का पता लग सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तालाब में मिला युवती का शव

राजपुर। बरियों चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत चांची सुखकोना पारा के देवमती तालाब में रविवार युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बरियों चौकी प्रभारी शुभाष कुजूर ने बताया कि ग्राम चांची सुखकोना पारा के देवमती तालाब में रविवार को सुबह 10 बजे एक 18 से 19 वर्ष की युवती का शव बरामद किया गया है। शव दो तीन पूर्व का होने से सड़ गया था।जिससे युवती की पहचान नही हो पाई। सुबह जब ग्रामीणों ने तालाब में युवती का शव तैरते हुए देखा तो तत्काल इसकी सूचना बरियों चौकी को दी। सुचना पर तत्काल बरियों पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को ग्रामीणों के मदद से तालाब से बाहर निकलवा। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई परंतु शव की शिनाख्त नही हो सकी। बरियों पुलिस ने सरपंच और ग्रामीणों के उपस्थिति में पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम कराकर दफना दिया गया है। साथ ही मर्ग कायम कर शव की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

कलेक्टर ने विशेष ग्राम सभा आयोजित करने के दिए निर्देश

बलरामपुर। बलरामपुर कलेक्टर आर एक्का 8 जून को पूरे जिले के सभी विकासखण्डों सभी ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित करने का आदेश दिया था। बैठक में पांच सूत्रीय एजेंडा निर्धारित किया गया था। बलरामपुर विकासखंड के 125 ग्राम में विशेष ग्राम सभा के जगह 75 ग्राम पंचायत में ही ग्राम सभा आयोजित हुई। गौरतलब है कि कलेक्टर आर एक्का के द्वारा 6 जून को आदेश निकालकर छत्तीसगढ़ अनुसूचित क्षेत्र की ग्राम सभा नियम 1998 के नियम 6 के प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के सभी ग्रामों में 8 जून को विशेष ग्राम सभा आयोजित करने के आदेश दिए। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6, 2 क के तहत गणपूर्ति के साथ-साथ ग्राम सभा में सदस्यों की शत प्रतिशत उपस्थिति करवाने का दायित्व सरपंच पंच एवं सचिव का होगा। ग्राम सभा की कार्रवाई छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129, ख, 3 एवं छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध नियम 2022 के अनुसार संचालित होगी बैठक में पांच सूत्री एजेंडा निर्धारित किया गया।जिसमें महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कराई जाने वाले कार्यों का ग्राम सभा से अनुमोदन कराना। राज्य की समस्त सड़कों पर मवेशियों के कारण हो रही दुर्घटनाओं से जान माल की क्षति को रोकने हेतु उसे ग्राम पंचायत क्षेत्र से गुजरने वाली समस्त सड़कों के संबंध में सभी संभव उपाय एवं प्रभावी व्यवस्था की चर्चा करना आम जनों में जागरूकता बढ़ाना एवं अपने मवेशियों को सड़क पर खुला नहीं छोड़ने की संकल्प पारित करना तथा ग्राम पंचायत में पंजीकृत ऐसे श्रमिक जिनका राशन कार्ड नहीं बना है।

डिजिटल साक्षरता पर जोर, लोगों को जानकारी मिलेगी वेन से

सूरजपुर। सक्षम सूरजपुर अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन सूरजपुर ने एक अभिनव पहल करते हुए सूचना प्रौद्योगिकी व कंप्यूटर साक्षरता दर बढ़ाने हेतु डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 20 कंप्युटर से लैस यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) की खासियत यह रहेगी कि ये लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें कंप्यूटर और डिजिटल माध्यम से संबंधित बुनियादी शिक्षा से परिचित करवायेगी।

जिससे जुड़ कर अभ्यर्थी व आमजन डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनेंगे। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन एन.आई.आई.टी. फाउंडेशन द्वारा संचालित तथा इंडस टावर द्वारा वित्त पोषित है। इसके सदस्यों द्वारा आज कोर्स के लिये पंजीकृत बच्चों की उपस्थिति में जिला संयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन व कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास ने के समय को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का युग बताते हुए उपस्थित बच्चों को समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होने उपस्थित जनों और मीडिया साथियों के माध्यम से जिलेवासियों को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन से जुड़ने की अपील की ताकि गांव-गांव तक जाने वाली इस डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन से जुड़कर ज्यादा से ज्यादा लोग लाभांवित हो सकें और सूचना प्रौद्योगिकी, कम्पयूटर व डिजिटल शिक्षा का हिस्सा बन सकें। पीएम-दिशा (प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान) से प्रेरणा लेकर जिला सूरजपुर में सक्षम सूरजपुर अभियान अंतर्गत डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) के माध्यम से दूरस्थ ग्राम अंचलों में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को डिजिटल साक्षरता प्रदान किया जायेगा। जिसमें युवा से लेकर अन्य आयु वर्ग के लोगों का पंजीयन कर उन्हें डिजिटल साक्षरता, बेसिक आईटी शिक्षा और साइबर सिक्योरिटी में सर्टिफिक्रेट कोर्स कराए जाएंगें। इसके साथ ही कोर्स को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा। प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार छ.ग. राज्य अंतर्गत जिला सूरजपुर प्रथम जिला है जहां डिजिटल

बस चलेगी, जो की पूर्ण रूप से निःशुल्क होगी। उन्होंने आगे बताया कि डिजिटल बस में 20 कम्प्यूटर सिस्टम लगे हुए है। जिससे एक ही समय में 20 अभ्यर्थियों को एक साथ डिजिटल शिक्षा का लाभ दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सूरजपुर जिले के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रतिमाह 07 से 08 स्थानों को चिन्हित कर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन के माध्यम से लगभग 150 से 160 अभ्यर्थियों को डिजिटल साक्षरता से जोड़ने का प्रयास संस्था द्वारा किया जायेगा। यह डिजिटल बस पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए सोमवार से शुक्रवार तक चलेगी। इसके साथ ही शनिवार व रविवार के दिन सामूहिक साक्षरता के माध्यम से भी डिजिटल साक्षरता अभियान चलाया जाएगा। सूरजपुर जिले में 06 माह की अवधि तक डिजिटल बस अपनी सेवा देगी, जिसमें लगभग 1000 लोग डिजिटल साक्षरता अभियान से जुड़कर लाभान्वित होंगें। प्राप्त जानकारी के अनुसार 40 बच्चों का पंजीयन हो चुका है। जिनसे दो बैंच निर्मित किये गए है। शुरूआती रूट चार्ट अंतर्गत सूरजपुर जिले अंतर्गत में कोट, आमगांव, पटना, पस्ता, सोनपुर में डिजिटल बस चलेगी, जिसका दायरा समय अनुसार बढ़ता जायेगा।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) द्वारा डिजिटल बैंकिंग से लेकर साईबर सिक्योरिटी की मिलेगी शिक्षा- सक्षम सूरजपुर अंतर्गत चलने वाली यह डिजिटल बस मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रवासियों को सूचना प्रौद्योगिकी या कम्प्यूटर से संबंधित तकनीकी ज्ञान से अवगत कराते हुए साक्षर बनाएगी। डिजिटल साक्षरता के अंतर्गत अभ्यर्थियों को डिजिटल बैंकिंग, इन्टरनेट ब्राउजिंग, ईमेल का उपयोग, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल और बढ़ते हुये साइबर फ्रॉड से बचने के लिए साइबर सिक्योरिटी के बारे में भी शिक्षा दी जाएगी। सोलर पैनल व हाईटेक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से लैस है डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) - डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन(डिजिटल बस) में कुल 20 कंप्यूटर सिस्टम लगे हैं, जिसके माध्यम से एक ही समय में 20 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षार्थियों को निर्बाध सेवा प्राप्त हो इसके लिए डिजिटल बस में कंप्यूटर सिस्टम के साथ-साथ एलईडी टीवी, डिजिटल बोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्बाध संचालन के लिए जनरेटर व सोलर पैनल भी स्थापित है। इसके साथ ही बस का प्रशिक्षण कक्ष वातानुकूलित है। बस में एक एलईडी टीवी बाहर की ओर लगा है, जिसका उपयोग सामूहिक साक्षरता कार्यक्रम के लिए किया जायेगा। आज के कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहू, अनुराग सक्सेना (इंडस टावर एचआर हेड), मनोज कुमार सिंह (इंडस टावर एरिया मैनेजर), जितेन्द्र राठौर (एनआईआईटी प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर), बादल गोस्वामी एवं अभिषेक पाण्डेय व अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पाल समाज की हुई बैठक

बलरामपुर। बलरामपुर पाल समाज जिला बलरामपुर रामानुजगंज का का बैठक स्थानीय ऑडिटोरियम भवन में रखा गया। बैठक में पूर्व में समाज के सभी कार्यकारिणी को भंग करते हुए समाज के सभी के सर्वसमिति से बलरामपुर रामानुजगंज पाल समाज के जिले का अध्यक्ष ललन पाल ,उपाध्यक्ष राम सकल पाल को तथा जिले का सचिव महेंद्र पाल को कोषाध्यक्ष राम पाल को मीडिया प्रभारी ललेंद्र पाल को बनाया गया। यह दायित्व सभी के सर्व सहमति से बनाया गया है। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित पाल समाज संभाग के अध्यक्ष बैजनाथ भगत, जिला सरगुजा पाल समाज के अध्यक्ष शिवपाल बलरामपुर रामा नुजगंज के पूर्व जिला अध्यक्ष राज किशोर पाल , बिहारी पाल विनेश पाल इत्यादि के उपस्थिति में सभी के सर्व सहमति से बनाया गया।

हाइवा ने बुजुर्ग को रौंदा

रायपुर। सांकरा स्थित निकित स्पंज प्लांट के पास हाइवा ने पैदल जा रहे बुजुर्ग को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नशेड़ी वाहन चालकों पर की 185 की कार्रवाई

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण तेज गति के अलावा शराब के नशे में वाहन चलाना भी है। सरगुजा पुलिस द्वारा दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सारे उपाय किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार की रात अंबिकापुर शहर के पांच प्रमुख चौराहे के अलावा जिले के 16 स्थान पर पॉइंट लगाकर शराबी वाहन चालकों की पड़ताल की गई। इसके अलावा परिवहन और यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल नौ चालक शराब के नशे में पाए गए। सर्वाधिक चार शराबी वाहन चालकों को अंबिकापुर के बिलासपुर चौक पर पकड़ा गया। इन सभी के विरुद्ध पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अभियान के दौरान कुल 125 वाहन चालकों से 43 हजार 300 रुपये शुल्क वसूल किया गया।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ ही यातायात और परिवहन नियमों का पालन कराने के लिए सरगुजा पुलिस द्वारा आमनागरिकों के हित मे लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही हैं।, इसी क्रम में शनिवार शाम 07.30 बजे से 11 बजे

रात तक तक शहर के पांच प्रमुख चौक सहित जिले के समस्त थाना,चौकी में कुल 16 प्वाइंट में 100 से अधिक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी तैनात कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। देर शाम नगर पुलिस अधीक्षक रोहित कुमार शाह द्वारा पुलिस टीम को निर्देशित किया गया। पुलिस टीम ने शहर के सदभावना चौक, भारत माता चौक, न्यू बस स्टैंड, अम्बेडकर चौक, बिलासपुर चौक पर तैनात किया गया था। पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों की सघनता से जांच की गई, वाहन चालकों को ब्रेथ ऐनालाइजर से चेक करने पर थाना कोतवाली अंतर्गत सदभावना चौक , भारत माता चौक ,थाना गांधीनगर अंतर्गत अम्बेडकर चौक मे एक प्रकरण, थाना मणीपुर अंतर्गत बिलासपुर मे चौक मे सर्वधिक चार प्रकरण, थाना लखनपुर अंतर्गत लखनपुर बस स्टैंड से एक ,चौकी रघुनाथपुर अंतर्गत रघुनाथपुर प्वाइंट से एक प्रकरण दर्ज किया गया। चेकिंग के दौरान कुल नौ वाहन चालक शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकडे गए, पुलिस टीम द्वारा मामलो में अनावेदकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल के तहत प्रकरण न्यायालय पेश किया गया हैं, अभियान के तहत यातायात के नियमों की अवहेलना करने पर कुल 125 वाहन चालकों से 43 हजार 300 रुपये शुल्क वसूल किया गया। चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों कों यातायात के नियमों का पालन कर वाहन चलाने के निर्देश दिए गए, वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चलाये जाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई किये जाने की चेतावनी दी गई।

अंधड़ ने उड़ाया स्कूलों के शेड को, आर्थिक मनमानी की परतें खुली

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना का बुरा हाल है। पूर्ववर्ती भूपेश सरकार की इस योजना में जमकर गड़बड़ी की गई है। स्कूल भवनों के मरम्मत में लीपापोती कर जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। कागजों में तो 1100 से अधिक मरम्मत के कार्य पूर्ण बता दिए गए हैं लेकिन तस्वीरों को देखकर आप समझ सकते हैं कि मरम्मत की स्थिति क्या है। एक बार बड़ी राशि कागजों में खर्च करने के बाद फिर से मरम्मत की नौबत आ गई है। दर्जनों स्कूल भवन ऐसे हैं जहां घटिया निर्माण के कारण बारिश के सीजन में बच्चों को बैठने की भी जगह नहीं मिलेगी। पहुंच और प्रभाव के दम पर शाला भवनों का ठेका प्राप्त करने वाले राजनैतिक संरक्षण प्राप्त लोगों ने इस योजना को भ्रष्टाचार का बड़ा जरिया बना लिया है लेकिन अब सत्ता परिवर्तन के साथ ही नकेल कसने की तैयारी शुरू हो गई है। सरगुजा जिले में तो द्वितीय किश्त की राशि तब तक जारी नहीं की जाएगी जब तक की पहली किश्त की राशि के कार्यों का मूल्यांकन न हो जाए।

इसके लिए तकनीकी एजेंसी तय की जा रही है। जिन विभागों को निर्माण एजेंसी का दायित्व दिया गया था उन्हें जांच में शामिल नहीं किया जाएगा।छत्तीसगढ़ प्रदेश में पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने अच्छी सोच के साथ मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत शाला भवनों के मरम्मत,रंग-रोगन के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उद्देश्य था। वर्ष 2022-23 में योजना आरंभ की गई थी। सिर्फ सरगुजा जिले में ही 1400 से अधिक स्कूलों के मरम्मत के लिए लगभग 90 करोड़ रुपये प्रथम किश्त में प्रदान किए गए थे। निविदा प्रक्रिया में थोड़ा विलंब हुआ लेकिन अब तक कार्य पूरे नहीं हुए। सेटिंग के आधार पर ठेका प्राप्त कर जमकर बंदरबाट किया गया। स्कूल भवनों की हालत में ज्यादा सुधार नहीं हुआ। कमीशनखोरी और घटिया निर्माण ने इस योजना को मटियामेट कर दिया है। सरगुजा जिले में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईस) तथा नगरीय निकायों को निर्माण एजेंसी नियुक्त किया गया था। अंबिकापुर निगम क्षेत्र के स्कूलों के मरम्मत के लिए नगर निगम एजेंसी है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों के लिए आरईएस विभाग को एजेंसी नियुक्त किया गया था। यह ऐसी

योजना थी जिसमे बड़ी राशि का प्रविधान किया गया। अधिकारियों ने गुणवत्ता को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। घटिया निर्माण के कारण एक बार फिर से मरम्मत की स्थिति आ गई है। कई स्कूलों का निर्माण आज तक पूरा नहीं हुआ है। अंबिकापुर के मल्टीपरपज स्कूल में लगभग एक करोड़ का काम आज तक अधूरा पड़ा हुआ है। सरगुजा जिले को मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत द्वितीय किश्त की राशि जारी की गई है लेकिन पहली किश्त की राशि के भौतिक सत्यापन और जांच के बाद ही यह राशि जारी करने की तैयारी है। खबर है कि घटिया निर्माण की शिकायत को देखते हुए यह तय किया गया है कि किसी दूसरे तकनीकी विभाग के अधिकारियों से अब तक हुए कार्यों की जांच कराई जायेगी। कार्यों का भौतिक सत्यापन होगा। राज्य स्तर पर भी इसकी समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना अब जांच के दायरे में आ गई है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सभी विकास खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र प्रेषित करने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार इस स्कूल शिक्षा विभाग अपने स्तर से भी जांच के लिए तकनीकी टीम को स्कूलों की सूची सौपेंगा। ये वे स्कूल होंगे जहां के निर्माण कार्यों को लेकर विभागीय स्तर से शिकायत सामने आएगी की कार्य घटिया हुआ है। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण नहीं करने से विद्यार्थियों को परेशानी भी हो रही है। मरम्मत के बाद भी कई स्कूल भवनों के छत की हालत खराब है। इस वर्ष की बारिश के सीजन में छत से पानी टपकेगा। ऐसे में पढ़ाई प्रभावित होगी। पिछले सत्र में स्कूल भवन की कमी व स्कूल बदहाल होने के कारण छात्र-छात्राओं को वर्षा के समय परेशानी का सामना करना पड़ा था। इस वर्ष भी समय पर स्कूल भवनों एवं कई योजना पूरा नहीं होने के कारण छात्र -छात्राओं को परेशानियों को सामना करना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत घटिया निर्माण के कारण दर्जनों स्कूलों और खतरनाक हो गए हैं । उदयपुर विकासखंड के ऐसे पक्के स्कूल भवन जिनके छत से पानी टपकता था और छत मरम्मत का कोई उपाय नजर नहीं आ रहा था वहां टिन के शेड लगाए गए थे लेकिन शेड लगाने में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया इसका परिणाम यह हुआ कि पिछले दिनों तेज हवाएं चलने से कई स्कूलों के छत की सीट उड़ गई है।स्कूलों में अवकाश था इसलिए कोई घटना नहीं हुई।अन्यथा गंभीर घटना भी हो सकती थी। उदयपुर ब्लाक के प्राथमिक शाला झींगाझरिया के अलावा तेंदूटिकरा, खरसुरा सलका और जजगी के स्कूलों की हालत खराब हो गई है यहां स्कूल के छत पर लगे टिन के सेट उड़ गए हैं।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना की स्थिति आंकड़ों में

ब्लाक	पूर्ण	कार्य प्रगतिरत	अप्रारंभ
अंबिकापुर	251	17	29
बतौली	106	11	02
लखनपुर	119	24	68
लुंड्रा	232	17	27
मैनपाट	59	09	29
सीतापुर	158	14	14
उदयपुर	178	08	34
कुल	1103	100	203

धान बीज लेने जा रही दंपत्ति पर हाथी का अटैक, पत्नी को कुचला मौके पर

भागकर खुद को बचाया पति ने

कोरबा। लंबे समय से हाथी समस्या से जूझ रहे वनमंडल कोरबा में मुश्किलें जस की तस हैं। आज सुबह हाथी की हमले में एक ग्रामीण महिला की मौत हो गई। वह अपने पति के साथ धान बीज लेने गिरारी जा रही थी। आपात परिस्थितियों में पति ने भागकर अपनी जान बचाई। हाथी के हमले में हुए घटनाक्रम की खबर मिलने पर वन विभाग की टीम कुछ घंटे बाद मौके पर पहुंची। करतला पुलिस को इस बारे में अवगत कराया गया है। उक्तानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आज सुबह लगभग 5 बजे के आसपास यह घटना वनमंडल कोरबा के अंतर्गत हुई। जानकारी में बताया गया कि 50 वर्षीय आदिवासी महिला यादोबाई कंवर का हाथी सामना हुआ और आखिरकार उसके प्राण पखेरू उड़ गए। बासिन ग्राम पंचायत क्षेत्र की निवासी मृतका अपने पति वृक्षराम कंवर 55 वर्ष के साथ धान बीज लेने के लिए बासिन से गिरारी गांव जाने निकले थे। उन्हें नहीं पता था कि संबंधित रास्ते में हाथी मौजूद हैं और उनकी हरकतें जारी है। बताया गया कि

देर रात ही एलोंग गांव से एक दंतैल हाथी कलमीटिकरा पहुंचा था। वनकर्मी भी इस बारे में अनभिज्ञ थे और इसलिए उनकी ओर से सुरक्षात्मक प्रयास नहीं किये जा सके। इधर हाथियों की पहुंचने के कुछ घंटे बाद ही सुबह जब आदिवासी दंपत्ति कृषि कार्य के संबंध में गिरारी के तरफ जा रही थी तभी वनमंडल के श्यांग परिसर के पास एक जगह दंतैल हाथी ने अटैक कर दिया। विशालकाय हाथी को अपने काफी करीब पाकर महिला को न तो भागने का मौका मिला और न ही सोचने का। अगले ही क्षण हाथी ने महिला को पटककर जान ले ली। पता चला कि इस दौरान पति वृक्षराम ने साहस जरूर दिखाया लेकिन अपनी जान बचाने के लिए उसने जंगल के रास्ते में दौड़ लगा दी। मामले के बारे में उसने वन विभाग के स्थानीय कर्मियों को जानकारी दी। कुछ देर बाद अमले के साथ पहुंचे वन अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया तो संबंधित क्षेत्र में महिला को मृत पाया गया। कोरबा से विभाग के उच्च अधिकारियों की पहुंच घटना स्थल पर हुई है। मामले को लेकर पुलिस को अवगत कराया गया। सुरक्षा व्यवस्था के साथ मृतका का शव पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

समाधान तलाशना बाकी

कोरबा जिले के दोनों वनमंडलों में हाथ उत्पात का मसला लगभग डेढ़ दशक से बना हुआ है और इनमें लगातार जन-धन की हानि हो रही है। हाथियों को नियंत्रित करने के लिए इन वर्षों में कई प्रकार की कोशिश की गई और भारी-भरकम धनराशि भी खर्च की गई। असम की जान-मानी हाथी ट्रेनर पार्वती बरुआ के अलावा केरल के कुमकी हाथी भी यहां लाए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त पावर फेंसिंग के साथ-साथ जशपुर क्षेत्र की अत्यंत तेज असर वाली मिर्च के पौधों का रोपण भी सीमाई क्षेत्र में हाथियों को रोकने के लिए किया गया लेकिन नतीजे सिफर रहे।

परिवार को मिलेगी क्षतिपूर्ति

बासिन क्षेत्र में दंतैल हाथी के हमले में एक आदिवासी महिला की मौत हुई है। हाथी की उपस्थिति को लेकर क्षेत्र के लोगो को अलर्ट किया जा रहा है। मौजूदा मामले में पीड़ित परिवार को शुरुआती राशि दे दी गई है। ऐसे प्रकरण में 6 लाख रुपए की सहायता दिया जाना प्रावधानित है। प्रक्रिया पूरी करने के साथ अंतर की राशि जल्द उपलब्ध कराई जाएगी।

– अरविंद पीएम, डीएफओ कोरबा

गुरु अर्जन देव के बलिदान दिवस पर गुरुद्वारों में पाठ, जुटे अनुयायी

कोरबा। सिख धर्म के पांचवें गुरु अर्जन देव को आज उनके बलिदान दिवस पर कोरबा नगर और उपनगरीय क्षेत्रों में श्रद्धा के साथ याद किया गया। गुरुद्वारों में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ हुआ। बड़ी संख्या में सिख धर्म के अनुयायी यहां जुटे।

सिख समाज के द्वारा सिख कैलेंडर के तीसरे महीने जेठ के 24वें दिन गुरु अर्जन देव का बलिदान दिवस मनाने की परंपरा है जिसका निर्वहन आज सोमवार को किया गया। गुरुनानक देव द्वारा प्रारंभ किये गए पंथ में गुरु अर्जन देव का पांचवां स्थान था। 1604 में हरमंदर साहिब स्वर्ण मंदिर अमृतसर के निर्माण की पहल के लिए उन्हें विशेष तौर पर जाना जाता है। गुरु अर्जन देव सिख धर्म के पहले शहीद थे। उन्होंने अपने संक्षिप्त जीवनकाल में कई विशेष कार्य किये और उसके माध्यम से बड़ी लकीर खींची। जिसके लिए वे अविस्मरणीय बने हुए हैं। उनके बलिदान दिवस पर कोरबा के ट्रांसपोर्ट नगर, इतवारी बाजार के साथ-साथ बालकोनगर, कुसमुंडा, बांकीमोंगरा, दीपका, पाली और कटघोरा के गुरुद्वारों में परंपरागत कार्यक्रम किये गए। यहां गुरुग्रंथ साहिब का पाठ किया गया और दोपहर को लंगर भी लगाया गया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे एक पखवाड़े पहले से ही सिख समाज की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में आम लोगों को शरबत और चना वितरण का काम भी शुरू किया गया।

***कोरबा।** टीपी नगर स्थित नया बस स्टैंड के अलावा अन्य स्थानों पर नगर निगम के द्वारा स्थापित किये गए वाटर एटीएम नकारा साबित हो रहे हैं। लोगों को गर्मी के सीजन में दिक्कत हो रही है।

कोरबा से लौटने के दौरान कार में लगी आग, चालक बचा

कोरबा। गर्मी में भले ही नौतपा की विदाई हो गई है लेकिन अभी भी तापमान 42 डिग्री से नीचे नहीं खिसक सका है। पर्यावरणीय कारणों से कई प्रकार की समस्याएं पैदा हो रही है और जहां-तहां आग लगने के सामने आ रहे हैं। कोरबा से लौटने के दौरान एक कार में अचानक आग लग गई। सतर्कता दिखाने पर चालक की जान बच सकी।

जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर यह घटना पिछली शाम हुई। यहां एक चलती कर में आग लग गई। समय रहते ही कार चालक ने नीचे उतर कर अपनी जान बचा ली। हमारे संवाददाता ने बताया कि घटना नीचे भदरा जैतखाम स्थल के पास की है। स्थानीय लोगों की मदद से आपको बुझाने का प्रयास किया गया। जिला जांजगीर जाने वाले मुख्या मार्ग के ग्राम भदरा में जैतखाम स्थल के पास जांजगीर की ओर से जा रही वेगन आर कार मे अचानक आग लग गई। आग लगने के आभास होते ही कार चालक जल्दी से नीचे उतर गया। कुछ ही देर में आग की लपटों ने कार को अपने आगोश में ले लिया। पता चला कि कार ग्राम मेहंदी निवासी व्यक्ति की है। संबंधित ग्रामीण किसी काम से कोरबा आया था। कामकाज निपटाने के बाद उसने मेहंदी की तरफ प्रस्थान किया। रात्रि 8 बजे के आसपास वह भदरा गांव पंहुचा था कि कार से धुंआ निकलने लगा। पुलिस को इस बारे में अवगत कराया गया है। आगजनी के आधार पर इसकी जांच होगी। ऐसे मामलों में वाहनों का बीमा होने पर संबंधित कंपनी धारक को क्लेम देने के लिए प्रतिबद्ध होती है।

45 कामगार बीकेकेएमएस शामिल

कोरबा। बीकेकेएमएस गेवरा के प्रीतम राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्य संगठन के 45 कामगार बीकेकेएमएस में शामिल हुए हैं। कल गेवरा कार्यालय में इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष टीकेश्वर राठौर, अश्वनी मिश्रा, मदन सिंह, वीरेन्द्र राठौर, कुलदीप कुमार, राहूल कुर्रे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। इसके पहले बीकेकेएमएस ने मदन सिंह को जेसीसी सदस्य बनाया था।

क्रेशर-5 की धूल कर रही है परेशान पानी का छिड़काव करने से राहत

कोरबा। एसईसीएल मानिकपुर कालोनी के नागरिक उस समय परेशान हो गए थे। जब क्रेशर नंबर 5 का धूल उड़कर पूरे कालोनी में आ रहा था। परेशानी के बाद कालोनीवासियों ने तत्काल इसकी शिकायत प्रबंधन से की। प्रबंधन ने शिकायत मिलने के बाद पानी छिड़काव का कामशुरू कर दिया था। इसके बाद से धूल कालोनी में नहीं आ रहा है। प्रबंधन के इस कार्य का पार्षद फूलचंद सोनवासी, सरजू अजय, नारायण कुर्रे, प्रमोद बेनर्जी, राजेन्द्र सिंह, मिनीलाल, मनीखुंटे, भूषण नारंगे, नरसिंग मूर्ति ने स्वागत किया है। इन लोगों का कहना है कि प्रबंधन ने कालोनीवासियों की मांग को तत्काल मान लिया। उड़ रहे डस्ट से कालोनीवासी काफी परेशान हो गए थे। श्रमिक संगठनों ने भी इस मामले को काफी गंभीरता से लिया था।

शेडविहीन पार्किंग, गाड़ियों की सुरक्षा भगवान भरोसे

रेलवे स्टेशन में गाड़ी मालिकों की सुविधा का ध्यान नहीं

कोरबा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोरबा रेलवे स्टेशन का वाहन पार्किंग समस्याग्रस्त है। घंटे के हिसाब से वाहन रखने के लिए लोग पैसे जरूर दे रहे हैं लेकिन मौके पर न तो शेड है और न ही अन्य सुविधा। ऐसे में सुरक्षा का मसला भगवान भरोसे सिमटकर रह गया है। रेलवे और पार्किंग ठेकेदार इसकी जिम्मेदारी एक-दूसरे पर थोपने पर लगे हैं।

जब से वाहन स्टैंड का संचालन कोरबा के रेलवे स्टेशन में हो रहा है, समस्या तब से ही है। उपर से लोग हैं कि मजबूरी के चक्कर में अपनी गाड़ियों को इसी हाल पर छोड़ने के लिए लाचार हैं। काफी समय से जरूरत बताई जा रही है कि पार्किंग क्षेत्र में शेड नहीं होने के कारण खासतौर पर बारिश और गर्मी के सीजन में कई प्रकार की परेशानियों से लोगों को दो-चार होना पड़ता है। अधिक तापमान के फेर में गाड़ियों के डिस्कलर होने की समस्या पेश आती है तो बारिश में ज्यादा समय तक पानी का संपर्क होने के कारण पाट्‌र्स में जंग लगने की चुनौती। अनेक अवसर पर दुपहिया गाड़ियों से पेट्रोल चोरी होने के मामले जब बढ़े तो सीसीटीवी लगाने की जरूरत समझी गई और इस पर काम किया गया। ऐसी घटनाएं अब कम हुई हैं लेकिन पार्किंग क्षेत्र में शेड नहीं होने के कारण परेशानी तो है ही। बताया जा रहा है कि कोविड कालखंड के बाद किसी तरह पार्किंग का ठेका संपन्न हो सका लेकिन बाद में घाटे के कारण नए आवंटन में देरी हुई। लंबी प्रतीक्षा के बाद इस काम को कराया जा सका है। इधर लोगों का दबाव है कि अगर अच्छा खासा शुल्क रेलवे कांट्रेक्टर ले रहा है और इस परिसर के जरिए रेल प्रबंधन मोटी कमाई कर रहा है तो क्यूं न लोगों के हित में सुविधा दिए जाने के बारे में विचार होना चाहिए। वैसे भी कोरबा से प्रतिवर्ष 6000 करोड़ का राजस्व रेलवे को मिल रहा है। इतना सबकुछ होने के बाद भी यात्री सुविधाओं का अनदेखी करने का सिलसिला जारी है।

मोदी ने पीएम की शपथ ली, भाजपा का जश्न

कोरबा। दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र भारत के प्रधानमंत्री एक बार फिर नरेंद्र मोदी बन गए हैं। उन्हें तीसरी बार यह अवसर लगातार प्राप्त हुआ। मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर कोरबा में उत्साह दिखा। ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे पर भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों के कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज रहे। आतिशबाजी करने के साथ उन्होंने लोगों का मुंह मीठा कराया।

भाजपा की ओर से शपथ समारोह के लाइव प्रसारण की यहां व्यवस्था की गई। जिसे आवाजाही करने वाले लोगों ने देखा। भाजपा की ओर से यहां मनाए गए जश्न के दौरान जिला भाजपाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, पूर्व मेयर जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, उमा भारती सराफ, वैशाली रत्नपारखी, पंकज सोनी, मनोज मिश्रा, विशाल सचदेवा, अभिषेक तिवारी, दीपेश सिंह, ज्योति वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर कोरबा में राजपूत क्षत्रिय समाज ने बाइक रैली निकालकर जन जागरण किया।

युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रहमान लेंगे बैठक

कोरबा। युवा कांग्रेस कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष रहमान खान सभी ब्लाकों में बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे। आने वाले दिनों में नगर पालिक निगम सहित और कई क्षेत्रों में चुनाव होंगे। वार्ड पार्षद के लिए अभी से ही सक्रिय होना होगा। रहमान खान के साथ विधानसभा महासचिव शत्रुहन पटेल, मनोज यादव, दीपेश यादव, तारेश राठौर भी सभी क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इस संबंध में रहमान खान ने बताया कि युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में मिली जीत से काफी उत्साहित है। अब वे सभी क्षेत्रों में काम करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ कई मुद्दों पर संघर्ष करेंगे। बांकीमोंगरा क्षेत्र को नपा का दर्जा दिया गया है। यहां भी चुनाव में जोर आजमाईस होगी। युवा कांग्रेस के महासचिव मनोज यादव, शत्रुहन पटेल भी लगातार काम कर रहे हैं। होने वाली बैठक में रणनीति तैयार की जाएगी कि आम जनता की समस्याओं पर किस तरह से संघर्ष किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व पानी की समस्या आम है। लोगों को पानी के लिए परेशानी होती है। इसके अलावा बिजली की समस्या भी ग्रामीण क्षेत्रों देखी जा रही है।

एसकेएमएस कंपनी स्तरीय बैठक आज

कोरबा। एसकेएमएस की कंपनी स्तरीय बैठक आज बिलासपुर में आयोजित की गई है। इस बैठक में कोरबा से दीपेश मिश्रा, धर्माराव, सुभाष सिंह, राजेश पांडेय, दीपक उपाध्याय, हरनारायण केशरवानी, वीरेन्द्र टंडन, अजीत सिंह, राजू श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक में श्रमिक संगठनों के सदस्यों के होने वाले सत्यापन पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्रीय समस्याओं पर विचार विमर्श करते हुए रणनीति तैयार किया जाएगा। कोरबा एरिया में भी सम्मेलन होना है। इसकी भी चर्चा बैठक में होगी।

पूरी ताकत से कुचल दें आतंकवाद का फन

कोरबा। जम्मू कश्मीर में कई प्रकार के बदलाव करने के बाद ऐसा लग रहा था कि व्यापक हद तक आतंकी मामलों में सुधार होगा। लेकिन काफी अंतराल के बाद आतंकियों का सिर उठाना हाल में ही शुरू हो गया है। इसके पीछे राजनीतिक तस्वीर का बदलना भी एक बड़ी वजह माना जा रहा है। राजौरी क्षेत्र में आतंकियों के द्वारा किये गए हमले में छत्तीसगढ़ के 10 यात्रियों की मौत और कई के घायल होने से पता चलता है कि आतंकी केवल गोली के भूखे हैं। भारतीय सेना के द्वारा पिछले वर्षों में जम्मू कश्मीर क्षेत्र में की गई जबरदस्त कार्रवाई के कारण पत्थरबाज गैंग बेरोजगार हो गई है और आतंकियों के संरक्षकों की दुकानें भी ठप पड़ गई है। पिछले दिनों संपन्न लोकसभा चुनाव में कश्मीर इलाके की सीटों पर जिस प्रकार से एनएसए और अन्य धाराओं में रजिस्टर्ड कुख्यात चेहरों को जीत मिली है उससे भी आतंकी मानसिकता को एक तरह से संजीवनी प्राप्त हुई। ऐसे में उनकी विध्वंसक गतिविधियां तेज हो रही है। जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल के हालात जिस प्रकार से बिगड़ रहे हैं वह कम से कम उन लोगों के लिए चिंता का विषय है जो देश को लेकर ठीकठाक मानसिकता रखते हैं। लोग अब मांग कर रहे हैं कि आतंकियों पर रहम करने के बजाय उनके ही अंदाज में निपटाने का काम हो और उनके संरक्षकों को भी ऐसा ही सबक मिले।

तीसरे कार्यकाल में हो ठोस काम

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले मंत्रीमंडल ने तीसरी बार शपथ ली है, यह देश के लिए गौरव का विषय है। हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ के 10 यात्रियों की जो मृत्यु आतंकी हमले में हुई है, वह अत्यंत दर्दनाक है। धार्मिक पर्यटन के उद्देश्य से कहीं से भी जाने वाले लोग स्थान विशेष को फायदा ही पहुंचाते हैं। ऐसे में आतंकियों के कारनामे विषैले सर्प के समान है। सरकार इसके लिए ठोस काम करें।

– आदित्य सिंह, विद्यार्थी

जड़ से सफाया करना ही विकल्प

धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में जिस प्रकार की ताकतें पिछले कुछ दिनों से मुंह उठा रही है वह न क`व ल चिंताजनक है बल्कि वह आने वाले समय के लिए बेहद गंभीर भी है। आतंकियों के द्वारा जनजीवन के लिए समस्या खड़ी करने और लोगों की हत्या करने का जो काम किया जा रहा है वह अक्षम्य है। उनका जड़ से सफाया होना चाहिए।

– राजू सोनी, व्यवसायी

कठोर कार्रवाई की जरूरत

देशहित के लिए जरूरी है कि किसी भी हिस्से को अकारण अशांत करने की हरकतों में संलिप्त तत्वों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में कथित मानव अधिकार कोई मायने नहीं रखता। जब तक इस तरफ सोचते रहेंगे काफी देर हो चुकी होगी। आतंकी किसी के सगे नहीं हो सकते, सरकार को इस नीति पर काम करना होगा।

– जितेंद्र गुप्ता, पूर्व पार्षद

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com